# मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, सोमवार, 24 नवंबर 2025

संवत 2082, मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष 4 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 75 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक

4 ▶▶ कहीं कांग्रेस के विघटन का कारण उसकी वामपंथी सोच तो नहीं?

अक्षय कुमार ने 2025 में 4 लगातार हिट्स के साथ कमाए 500 करोड़ से भी ज्यादा ◀◀ 6

# देश के 53वें चीफ जस्टिस बने जस्टिस सूर्यकांत, राष्ट्रपति मुर्मू ने दिलाई शपथ

**नई दिल्ली:** जस्टिस सूर्यकांत सोमवार को भारत के नए मुख्य न्यायाधीश बने। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें पद की शपथ दिलाई। शपथ लेने के बाद वह देश के लिए 53वें मुख्य न्यायाधीश बन गए हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में भारत के नए मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत को पद की शपथ दिलाई। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, पूर्व मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई समेत कई गणमान्य मौजूद रहे।

जस्टिस सूर्यकांत ने सीजेआई भूषण आर गवई की जगह ली है। राष्ट्रपति मुर्मू ने सीजेआई गवई की सिफारिश के बाद संविधान के आर्टिकल 124 के क्लॉज (2) द्वारा दी गई शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए जस्टिस सूर्यकांत को भारत का अगला चीफ जस्टिस नियुक्त किया। जस्टिस सूर्यकांत का जन्म 10 फरवरी, 1962 को हरियाणा के एक मिडिल क्लास परिवार में हुआ था। उन्होंने 1984 में हिसार से अपनी लॉ यात्रा शुरू की और फिर पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट में प्रैक्टिस करने के लिए चंडीगढ़ चले गए। इस दौरान उन्होंने कई तरह के संवैधानिक, सर्विस और सिविल मामलों को संभाला, जिसमें यूनिवर्सिटी, बोर्ड, कॉर्पोरेशन, बैंक और यहां तक ??कि खुद हाईकोर्ट को भी रिप्रेजेंट किया।

जुलाई 2000 में उन्हें हरियाणा का सबसे कम उम्र का एडवोकेट जनरल बनाया गया। इसके बाद, 2001 में उन्हें सीनियर एडवोकेट बनाया गया और 9 जनवरी 2004 को पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट का परमानेंट जज बनाया गया। बाद में, उन्होंने अक्टूबर 2018 से 24 मई 2019 को सुप्रीम कोर्ट में अपनी पदोन्नति तक हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के तौर पर काम किया। नवंबर 2024 से वे सुप्रीम कोर्ट लीगल सर्विसेज कमेटी के चेयरमैन के तौर पर काम कर रहे हैं।

## धर्मेंद्र का 89 साल की उम्र में निधन, बॉलीवुड में शोक की लहर

**मुंबईः** बालीवुड के ही-मैन धर्मेंद्र का आज 24 नवंबर को 89 साल की उम्र में निधन हो गया है। आज एक्टर के घर एक एंबुलेंस पहुंची थी, जिसके बाद से उनके फैंस को एक बार फिर टेंशन होने लगी थी, क्योंकि इससे पहले एक्टर की मौत की अफवाह फैली थी, जिससे पूरा देश सदमे में आ चुका था, लेकिन अब धर्मेंद्र ने दुनिया को अलविदा कह दिया है।

एक्टर का निधन उनके 90वें बर्थडे से पहले हुआ है। वह आगामी 8 दिसंबर 2025 को अपना 90वां जन्मदिन मनाने वाले थे। बता दें, हाल ही में एक्टर की तबीयत खराब होने के चलते मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां वह 11 दिनों तक आईसीयू वार्ड में वेंटिलेटर सपोर्ट पर थे और इस बीच एक्टर के निधन की अफवाह भी फैली थी।

## जंगली हाथियों ने तीन लोगों को कुचलकर मार डाला

**गिरिडीहः** जिले के बिरनी थाना क्षेत्र में जंगली हाथियों ने एक बार फिर से कहर बरपाया है। हाथियों ने सोमवार को अहले सुबह में दो महिलाएं सहित तीन लोगों को कुचल दिया। जिससे दो लोगों की मौत हो गई है। जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। घटना के बाद वन विभाग के खिलाफ ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीणों द्वारा पीड़ित परिजनों को मुआवजा एवं घायल के इलाज की गारंटी सुनिश्चित किए जाने की मांग की जा रही है। घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई है। यह घटना जिले के बिरनी थाना क्षेत्र अंतर्गत गादी गांव की है। मृतकों में शांति देवी एवं बोधी पंडित शामिल हैं। जबकि घायल की पहचान पेशम गांव की सुदामा देवी के तौर पर हुई है। जिसका गिरिडीह के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। मौके पर पहुंचे उप प्रमुख शेखर सुमन ने बताया कि सोमवार की सुबह शांति देवी और बोधी पंडित अपने खलिहान की ओर गए हुए थे। इसी दौरान उधर से क्रास कर रहे हाथियों ने दोनों को कुचल दिया। वहीं, सुदामा देवी को एक हाथी ने पटक दिया। जिससे वह घायल हो गई। घटना की सूचना मिलने पर वन विभाग और बरकट्ठा ओपी पुलिस मौके पर पहुंची हुई है। उप प्रमुख ने इलाके से हाथियों को भगाए जाने की भी मांग की है। इधर, घटना के बाद पीड़ित परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल बना हुआ है।

# मुख्यमंत्री आज दुमका में झारखंड फ्लाइंग इंस्टीट्यूट का करेंगे उद्घाटन

**रांची:** मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आज दुमका में झारखंड फ्लाइंग इंस्टीट्यूट का उद्घाटन करेंगे।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री सदर प्रखंड के आसनसोल पंचायत में आयोजित सेवा अधिकार सप्ताह यानी 'सरकार आपके द्वारा' कार्यक्रम में भी शिरकत करेंगे। बताया जा रहा है कि दुमका हवाई अड्डा परिसर में कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जहां से हेमंत सोरेन झारखंड फ्लाइंग इंस्टीट्यूट का उद्घाटन करेंगे। दोपहर 12:15 बजे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की दुमका एयरपोर्ट पहुंचने की संभावना है। इसके बाद सीएम हेमंत विभिन्न योजनाओं का ऑनलाइन उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। इसके अलावा सीएम हेमंत युवाओं को नियुक्ति पत्र, व अन्य लाभुकों के बीच परिसंपत्ति, ऋण एवं अनुदान का वितरण करेंगे। कार्यक्रम के समापन के बाद दोपहर 2:30 बजे तक वे वापस रांची के लिए रवाना होंगे। वहीं, कार्यक्रम को लेकर तैयारी पूरी की जा चुकी है।

## सबरीमाला जा रहे तीर्थयात्रियों की कार फ्लाईओवर से गिरी, 6 की मौत

**नई दिल्ली:** कर्नाटक के कोलार जिले में रविवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में सबरीमाला जा रहे 6 तीर्थयात्रियों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई जबकि 32 अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार कार की तेज रफ्तार इस दुर्घटना का मुख्य कारण बनी। यह दुखद घटना मालुर तालुका के अब्बेनहल्ली गांव के पास देर रात लगभग सवा दो से ढाई बजे के बीच हुई। पुलिस के प्रारंभिक जांच के अनुसार वाहन चालक कथित रूप से अत्यधिक तेज गति से कार चला रहा था। तेज रफ्तार के कारण कार अनियंत्रित हो गई और एक फ्लाईओवर के साइड बैरियर से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार बैरियर तोड़कर लगभग 100 मीटर नीचे एक अंडरपास में जा गिरी। कार में सवार 6 लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।


प्रशिक्षण पाओ, हवाई जहाज उड़ाओ
युवाओं आगे आओ, अपने सपने को पंख लगाओ

झारखण्ड फ्लाईंग इंस्टीट्यूट, दुमका
(APPROVED BY DGCA GOVT. OF INDIA)
का उद्घाटन

मुख्य अतिथि
श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि
श्री नलिन सोरेन
माननीय सांसद, दुमका
श्री विजय कुमार हांसदा
माननीय सांसद, राजमहल
श्री निशिकांत दुबे
माननीय सांसद, गोड्डा

सम्मानित अतिथि
श्री बसंत सोरेन
माननीय विधायक, दुमका
श्री प्रदीप यादव
माननीय विधायक, पोड़ैयाहाट
श्री हेमलाल मुर्मू
माननीय विधायक, लिट्टीपाड़ा
श्री देवेन्द्र कुंवर
माननीय विधायक, जरमुण्डी
डॉ. लुईस मराण्डी
माननीय विधायक, जामा
श्री आलोक कुमार सोरेन
माननीय विधायक, शिकारीपाड़ा
श्रीमती जॉयस बेसरा
माननीय अध्यक्ष, जिला परिषद, दुमका

मुख्य बातें:
- इस संस्थान में प्रति वर्ष 30 युवाओं को **Commercial Pilot** का प्रशिक्षण दिया जाएगा
- राज्य के आरक्षित वर्ग के 15 प्रशिक्षुओं को पूर्णतः **निःशुल्क प्रशिक्षण** मिलेगा

दिनांक: 24 नवंबर 2025 | समय: अपराह्न 12:30 बजे
स्थान: दुमका हवाई अड्डा, दुमका

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

PR 366880(IPRD)25-26

न्यूज IN ब्रीफ

## राज्य में दो दिन बंद रहेंगे स्कूल, कॉलेज और ऑफिस

**रांचीः** झारखंड के सभी स्कूल, कॉलेज और सरकारी-निजी दफ्तरों में 27 और 28 नवंबर को 2 दिन की छुट्टी रहने वाली है। अचानक घोषित की गई इस छुट्टी के पीछे 2 वजह बताई जा रही हैं।

प्रशासन के मुताबिक पहली वजह ये है कि मौसम में अचानक बदलाव आया यानी कि राज्य में इस बार नवंबर महीने में ही ठंड का प्रकोप देखने को मिल रहा है जिसे देखते हुए बच्चों और कर्मचारियों के लिए छुट्टी की घोषणा की गई क्योंकि मौसम विभाग की रिपोर्ट के आधार पर सरकार ने माना कि सामान्य गतिविधियों को दो दिनों के लिए रोकना बेहतर होगा। वहीं, दूसरी वजह ये है कि त्योहारों की तैयारियां। दरअसल, नवंबर के आखिरी सप्ताह में शहरों और बाजारों में काफी भीड़ रहती है। खरीदारी, मेलों और स्थानीय आयोजनों के कारण ट्रैफिक दबाव बढ़ जाता है। छुट्टी देने से न सिर्फ सड़कों से भीड़ कम होगी बल्कि पुलिस-प्रशासन को ट्रैफिक मैनेजमेंट में भी राहत मिलेगी। सरकार चाहती है कि लोग शांतिपूर्वक और सुरक्षा के साथ त्योहार की तैयारियां पूरी कर सकें। शांतिपूर्वक और जिम्मेदारी से इस छुट्टी का लाभ उठाएं: यह छुट्टी सामान्य अवकाशों से अलग होती है क्योंकि इसे विशेष परिस्थितियों जैसे मौसम या त्योहार के कारण जल्दी घोषित किया जाता है। हालांकि कई जगहों पर ऑनलाइन कक्षाओं और वर्क फ्रॉम होम की व्यवस्था भी जारी रहेगी ताकि कामकाज प्रभावित न हो। वहीं, प्रशासन ने सभी से अपील की है कि वे शांतिपूर्वक और जिम्मेदारी से इस छुट्टी का लाभ उठाएं। जरूरत न होने पर बाहर न निकलें और सामाजिक दूरी का पालन करें ताकि यह अवकाश सभी के लिए सुरक्षित रहे।

## चास गुरुद्वारा में श्री अखंड पाठ शुरू

**चास :** सिखों के नौवें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर जी महाराज का शहीदी दिवस 25 नवंबर को चास गुरुद्वारा साहिब में बड़ी श्रद्धा के साथ मनाया जायेगा। 350 वी शहीदी शताब्दी के उपलक्ष्य में चास गुरुद्वारा में रविवार को चास गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के जसमीत सिंह सोढी, हरपाल सिंह, सतनाम सिंह व सिख संगत की मौजूदगी में श्री अखंड पाठ शुरू हुआ, जिसका समापन 25 नवंबर की सुबह होगा। उसके बाद स्थानीय जत्था व चंडीगढ़ के भाई गुरविंदर सिंह के रागी जत्था द्वारा विशेष कीर्तन दीवान सजेगा, जिसमें गुरु तेग बहादुर महाराज जी की हिंदू धर्म को बचाने के लिए दी गयी कुबार्नी और उनकी शहीदी के बारे संगत को सिमरन कराया जायेगा। उसके बाद सैकड़ों श्रद्धालु गुरु का लंगर छकेंगे। गुरुद्वारा प्रबंध समिति के सदस्यों ने कहा कि सिख धर्म के नौवें गुरु गुरु तेग बहादुर जी साहस और त्याग के प्रतीक थे। उन्होंने धर्म की स्वतंत्रता और मानव अधिकारों की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। शहीदी दिवस पर न्याय, समानता और सच्चाई के लिए खड़े होने की प्रेरणा देता है। कहा कि वे एक महान योद्धा, धर्म गुरु और देशभक्त थे। इसी कारण उन्हें हिंद की चादर का सम्मान मिला। उनका जीवन हमें सिखाता है कि सच्चाई और न्याय के लिए कभी भी पीछे नहीं हटना चाहिए। शहीदी दिवस उन्हें याद करने और उनके आदर्शों को अपनाने के लिए होता है।

## एक्स सर्विसमैन एसोसिएशन ने खाद्य सामग्री व गरम कपड़ों का किया वितरण

बोकारो : बोकारो, एक्स सर्विसमैन एसोसिएशन बोकारो इकाई की ओर से रविवार को सामाजिक दायित्व के तहत चास व बोकारो के विभिन्न जगहों पर खाद्य सामग्री सहित गरम वस्त्र वितरण अभियान चलाया गया। अध्यक्षता एसोसिएशन के उपाध्यक्ष विजय कुमार व संचालन सुरेंद्र कुमार ने किया। श्री कुमार ने कहा : मानव की सेवा से बढ़ कर कोई सेवा नहीं है। हम सरहद की रक्षा करनेवाले मानवता की रक्षा में सब कुछ न्यौछावर करने को हर वक्त तैयार रहते हैं। समाज के हर व्यक्ति को मानवता की रक्षा के लिए आगे आना चाहिए। एसोसिएशन की ओर से चास जोधाडीह मोड़ स्थित वृद्धाश्रम में खाद्य सामग्री, रोजमर्रा उपयोग सामग्री उपलब्ध कराया गया। इसके साथ ही हरला थाना क्षेत्र रानीपोखर के समीप ऑफिसर्स एसोसिएशन इनक्लेव के समीप 40 जरूरतमंदों के बीच गरम वस्त्र के साथ कंबल बांटा गया। मौके पर सचिव सुनील कुमार सिंह, संयुक्त सचिव पद्मनाभ, सुजीत कुमार झा, कोषाध्यक्ष राजीव रंजन, मीडिया प्रभारी बीरेंद्र कुमार, पंकज कुमारा व अन्य मौजूद थे।

## फीस वृद्धि पर छात्र संगठनों का विरोध-प्रदर्शन जारी

**रांची :** डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू) में फीस वृद्धि के खिलाफ आदिवासी छात्र संघ का विरोध-प्रदर्शन जारी है। रविवार को विश्वविद्यालय के नए अकादमिक भवन में कार्यकताओं व विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के कुलपति, डीएसडब्ल्यू, रजिस्ट्रार, प्रॉक्टर की तस्वीर पर श्रद्धांजलि अर्पित कर अपना विरोध जताया। आदिवासी छात्र संघ के नेतृत्व में हो रहे इस विरोध प्रदर्शन में- मूलनिवासी विद्यार्थी संघ, आइसा, छात्र राष्ट्रीय जनता दल ने भी अपना समर्थन दिया और विश्वविद्यालय पदाधिकारियों को श्रद्धांजलि देकर अपनी नाराजगी जताई। ये छात्र संगठन विश्वविद्यालय के कॉमर्स विभाग में प्रति सेमेस्टर शुल्क वसूल नीति का विरोध कर रहे हैं।

# खलिहान में लगी आग, किसानों को लाखों का नुकसान

संवाददाता

**चतरा :** जिले के हंटरगंज प्रखण्ड क्षेत्र अंतर्गत केंदलीकला पंचायत के बेलगड़ा नावाडीह गांव में रविवार दोपहर करीब 3 बजे एक खलिहान में आग लग गयी । जिसके कारण लाखों रुपए का धान जलकर राख हो गया। जानकारी के अनुसार बेलगड़ा नावाडीह गांव निवासी कपिल सिंह, रामदास सिंह, और कमलेश सिंह खेती करते है। इस वर्ष तीनों ने 5 एकड़ जमीन मे धान का फसल लगाए थे । खेत से फसल काटकर एक ही जगह लगभग 600 बोझा धान खलिहान में जमा किए थे। रविवार की दोपहर आग लगने से सब जलकर राख हो गया। पीड़ित, कपिलदेव सिंह, रामदास सिंह, और कमलेश सिंह ने बताया कि सुबह के 9 तक सब ठीक था। उस समय हमलोग खलिहान घूम कर देख लिए थे। दोपहर 2 बजे बाद खलिहान में अचानक आग लगी। जिसकी

सूचना ग्रामीणों ने दी धान जलने पर फट फट की आवाज और धुवां उठ रहा था।खलिहान में जाकर देखे कि पूरा खलिहान धू-धू कर जल रहा है। ग्रामीण इकट्ठा हुए लेकिन आग के तेज लपटें उठता देख ग्रामीण की हिम्मत भी जबाब दे दिया। 3 मोटर से पानी चलाया गया लेकिन तबतक सारा धान जल चुका था । ग्रामीणों ने बताया कि इस घटना से पीड़ित तीनों के पूरे परिवार पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा है। तीनों के पूरा परिवार के साथ खाने की समस्या आ गई है । पीड़ितों ने जिला प्रशासन से क्षति पूर्ति की मांग किया है। इधर जानकारी मिलते ही हंटरगंज एएसआई अजय कुमार महतो घटनास्थल पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। घटनास्थल के समीप ही लगभग पूरे ग्रामीणों का खलिहान था गनीमत रही कि और किसानों की धान में आग की चिंगारी नहीं गई। हालांकि अभी तक आग कैसे लगा स्पष्ट नहीं हो पा रहा है।ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से आपदा राहत के तहत क्षतिपूर्ति मुहैया करवाने की मांग की है ।

# विशाल पेड़ की तरह है राज्य, सींचने का काम कर रही हेमंत सरकारः अमित महतो

संवाददाता

**सिल्ली :** विधायक अमित महतो ने रविवार को बिसरिया पंचायत में आयोजित आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार शिविर में लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री बड़े भैया हेमंत सोरेन के निर्देश पर राज्य सरकार ने अपनी महत्वाकांक्षी पहल आपकी योजना-आपकी सरकार आपके द्वार सेवा की तहत राज्यभर में पंचायत स्तर पर शिविर लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनी जा रही है। उसका ऑन-द-स्पॉट निवारण का प्रयास किया जाएगा। श्री महतो ने आगे कहा कि एक विशाल पेड़ की तरह हमारा झारखंड है इसी विशाल पेड़ की जड़ों को सरकार सींचने का काम कर रही है आपकी सरकार। झारखंड के अमर शहीदों और महान क्रांतिकारियों के सपनों को साकार करते हुए राज्य को सतत विकास की ओर ले जाने का कार्य किया जा रहा है। झारखंड के विकास में यहां के गरीब गुरबा और शोषित वंचित को ध्यान मैं रखा जा रहा है। आदिवासी मूलवासी के हक अधिकार का सम्मान किया जा रहा है। झारखंड को देश के विकसित राज्यों के समकक्ष ले जाने के क्रम में यहां के जल जंगल जमीन सभ्यता और संस्कृति को ध्यान में रखा जा रहा है। राज्य और राज्य वासियों के विकास के लिए अनेकों लोक कल्याणकारी योजनाओं का प्रारंभ किया गया है। इस क्रम में जरूरतमंद लोगों को सर्वजन पेंशन, सोना सोबरन धोती साड़ी हरा राशन कार्ड,मुख्यमंत्री रोजगार सृजन, मुख्यमंत्री पशुधन तथा सावित्रीबाई फुले, किशोरी समृद्धि जैसी कई लोकहित कारी योजनाओं से जोड़ा गया है।

शिविरों में उमड़ रही लोगों की भीड़

: शिविरों में जाति, आवासीय, आय प्रमाण-पत्र, जन्म/मृत्यु प्रमाण-पत्र, नया राशन कार्ड, दाखिल- खारिज, भूमि मापी और भूमि धारण प्रमाण-पत्र, सामाजिक सुरक्षा पेंशन स्वीकृति, गारंटी अधिनियम में सूचीबद्ध अन्य नागरिक सेवाओं के लिए आवेदन लिए जा रहे है इसमें से कुछ आवेदनों पर ऑन द स्पॉट निष्पादन भी किया जा रहा है।मौके पर कई झामुमो नेता एंव प्रखंड विकास पदाधिकारी अनिल कुमार, अंचलाधिकारी अरुणिमा एक्का, जिप सदस्य लक्ष्मी देवी व अन्य मौजूद थे।

## बजरंगदल की प्रखंड बैठक संपन्न

# 6 को शौर्य बाइक संचालन का निर्णय

संवाददाता

**खलारी :** बजरंगदल की प्रखंड बैठक रविवार को खलारी पहाड़ी मंदिर में सम्पन्न हुई। जिसमे सर्वसहमति से 6 दिसम्बर को शौर्य बाइक संचलन करने का निर्णय लिया गया । बैठक में बजरंगदल के सभी प्रमुख पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस अवसर पर बजरंगदल के जिला संयोजक बिनोद विश्वकर्मा ने बताया कि शौर्य संचलन का मुख्य उद्देश्य समाज में राष्ट्रभक्ति और धर्म के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने यह भी कहा कि यह संचलन युवाओं को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का एक माध्यम बनेगा।

बैठक में संचालन के मार्ग, समय और अन्य व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। निर्णय लिया गया कि खलारी के मुख्य मार्गों से होकर गुजरेगा और इसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और आम जनता भाग लेगी। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी प्रशासन से समन्वय स्थापित करने का निर्णय लिया गया। बजरंगदल के कार्यकर्ताओं ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अपनी पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ काम करने का संकल्प लिया। यह शौर्य संचलन न केवल अयोध्या मंदिर बनने के उपलक्ष में यह कार्यक्रम मनाएगा, बल्कि समाज में एकता और सद्भाव का संदेश भी देगा

इस बैठक का संचालन प्रखंड संयोजक अमित कुमार ने किया मौके परप्रखंड उपाध्यक्ष नितेश तिवारी, प्रखंड सह मंत्री अशोक, सम्पर्क प्रमुख दीपक कुमार,विशाल नायक,मनी विजय प्रसाद ,ओमप्रकाश कश्यप, दीपक वर्मा ,दीपू कुमार, गुड्डू राम, बलवीर कुमार, यशवर्धन ठाकुर, राज ठाकुर, चंदन कुमार, अमन कुमार यादव, बादल कुमार, संजीव कुमार, उमेश कुमार, दीपक अरोड़ा ,प्रेम साहू, अंकित कुमार ,संजय चौहान, सुनील सिंह, रमेश सिंह व अन्य लोग उपस्थित थे।

## तेज रफ्तार ने ली युवक की जान

संवाददाता

**चतरा :** जिला प्रशासन द्वारा लगातार प्रयासों के बावजूद भी तेज रफ्तार वाहनों का कहर कम होने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला चतरा शहर के पाराडी क्षेत्र का है, जहाँ एक अज्ञात अपाची बाइक ने विनोद यादव को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, विनोद यादव शाम को दवा लेने के लिए घर से निकले थे, तभी तेज रफ्तार अपाचे बाइक ने उन्हें सीधी टक्कर मार दी। दुर्घटना में वे सड़क किनारे नाली में जा गिरे, जबकि बाइक सवार मौके से फरार हो गया।आसपास मौजूद ग्रामीणों ने घायल विनोद को निकालकर चतरा सदर अस्पताल पहुँचाया, जहाँ उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए हजारीबाग मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। हजारीबाग से आगे रिम्स रेफर करने के दौरान रास्ते में ही उनकी मौत हो गई और चतराझ रांची मुख्य सड़क को घंटों जाम कर दिया।सूचना मिलने पर सदर थाना प्रभारी विपिन कुमार और सीओ अनिल कुमार मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाने-बुझाने के बाद जाम हटवाया और सरकारी मुआवजे दिलाने का आश्वासन दिया। और प्रशासन बॉडी को अपने कब्जे में लेते हुए सदर अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

# युवक का अपहरण,पत्नी के लिव-इन पार्टनर पर आरोप

संवाददाता

**चतरा :** जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के हिरिंग असनाडाहा से एक युवक संजू भारती (30 वर्ष) संदिग्ध परिस्थितियों में गायब हो गया है। वह शनिवार सुबह करीब 10 बजे बैंक से पैसा निकासी करने डुमरी पंजाब नेशनल बैंक ऑफ इंडिया गया हुआ था। लेकिन देर शाम तक भी नहीं पहुंचा। परिजनों के द्वारा काफी खोजबीन की गई लेकिन अभी तक कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद इस मामले में उनके भाई संजय भारती ने उसकी गुमशुदगी की मामला हंटरगंज में दर्ज कराई है। हंटरगंज पुलिस मामले की जांच में जुटी है । संजय ने थाने में आवेदन देकर अपने भाई संजू भारती की पत्नी रीता देवी, के प्रेमी बोडा गांव के अरविंद भारती पर अपहरण का आरोप लगाया है । उन्होंने अपहरण कर हत्या कर सकते हैं ऐसा आशंका भी जताया है। पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज किया है।संजय भारती ने आवेदन में पुलिस को बताया कि रीता देवी और अरविंद भारती के बीच प्रेम संबंध चल रहा था। इस संबंध को लेकर परिवार में कई बार विवाद हो चुके

थे। अरविंद भारती ने पिछले कुछ दिन पहले ही जान से मारने की धमकी दी थी। इस कारण घर में कई बार विवाद भी हुआ है। अरविंद और मेरे भाई कि पत्नी रीता अपने पति को रास्ते से हटाने की साजिश रच सकते है। पुलिस आवेदन के आधार पर महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है । मामले की गहनता को देखते हुए सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

## बारूद गोला फटने से किशोरी घायल, गया रेफर

**चतरा :** हंटरगंज प्रखंड के डाहा पंचायत के बिहिया गांव के जंगल में रविवार को सूअर मारने वाले बम फट जाने से एक लड़की गंभीर रूप से घायल हो गई घायल लड़की बिहिया गांव निवासी प्रमोद यादव की 14 वर्षीय पुत्री खुशबू कुमारी है परिजनों के द्वारा उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भर्ती कराया गया। जहां उसका प्राथमिक उपचार किया गया वहीं हाथ गंभीर रूप से फट जाने के कारण अच्छे इलाज हेतु गया मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है प्राप्त जानकारी के अनुसार वह बिहिया जंगल में जंगली बेर खाने गई थी इसी दौरान वह ईट समझ कर पकड़ ली और बम फट गया जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गयी।

# ट्रेलर-ट्रॉली पलटने से यातायात बाधित, लगा जाम

संवाददाता

**खूंटी :** खूंटी-सिमडेगा मुख्य सड़क के बदले बने वैकल्पिक मार्ग पर सोमवार सुबह एक बार फिर भारी जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई। गम्हरिया गांव के पास एक ट्रेलर-ट्रॉली के पलटने और उसके समीप ही दूसरी गाड़ी के सड़क से उतरकर फंस जाने से दोनों दिशाओं में वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। इस अचानक हुए अवरोध से आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। स्थानीय लोगों ने बताया कि दुर्घटना के कई घंटे बीत जाने के बाद भी फंसे हुए वाहनों को हटाने की कोई ठोस पहल शुरू नहीं की गई। इस लापरवाही के चलते लोगों की परेशानियां और बढ़ गईं। मजबूरन लोगों को अपने वाहनों को छोड़कर पैदल ही आगे बढ़ना पड़ा। लगभग पांच महीनों पहले खूंटी-सिमडेगा मार्ग पर पेलौल गांव के पास बनई नदी पर बना पुल ध्वस्त हो गया था। इसके बाद

यातायात के लिए ग्रामीण सड़कों से होकर एक वैकल्पिक मार्ग बनाया गया था। लेकिन तब से लेकर अब तक इस संकरे और कमजोर मार्ग पर कई बार दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। सोमवार को हुई यह घटना एक बार फिर इस वैकल्पिक मार्ग की खराब हालत और प्रशासनिक लापरवाही को उजागर कर गई। लोगों में गुस्सा इस बात को लेकर भी है कि मुख्य पुल का डाइवर्जन कार्य महीनों बीत जाने के बाद भी पूरा नहीं हो सका है। स्थानीय नागरिकों ने सरकार और संबंधित विभागीय अधिकारियों पर काम में लापरवाही और देरी का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि अगर डाइवर्जन का काम समय पर पूरा हो जाता, तो लोगों को इस तरह की दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ता।वहीं, संबंधित विभागीय सूत्रों का दावा है कि डाइवर्जन के निर्माण का कार्य जल्द पूरा होने की संभावना है। इसके बाद भारी वाहनों सहित सभी प्रकार के यातायात के लिए मार्ग सुचारू हो सकेगा। हालांकि, इस दावे के बीच लगातार हो रही घटनाओं ने लोगों के धैर्य की परीक्षा ले ली है और प्रशासन पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

# निकाय चुनाव पर हाईकोर्ट में सुनवाई

## तैयारी में 8 सप्ताह और चुनाव प्रक्रिया में लगेगें 45 दिन, 30 मार्च को अगली सुनवाई

संवाददाता

**रांची :** स्थानीय शहरी निकाय चुनाव कराने को लेकर रांची की निवर्तमान पार्षद रोशनी खलखो द्वारा दायर अवमानना याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सोमवार की सुनवाई के दौरान अदालत में राज्य सरकार की ओर महाधिवक्ता और राज्य निर्वाचन आयोग की तरफ से अधिवक्ता सुमित गाडोड़िया ने पक्ष रखा।

सरकार की ओर से महाधिवक्ता ने बताया कि सरकार की ओर चुनाव संबंधित सभी प्रक्रिया पूरी कर दी गई है और इससे संबंधित सारे निर्णयों की कॉपी राज्य निर्वाचन आयोग को दे दी गई है, जिसे राज्य निर्वाचन आयोग ने भी स्वीकार किया।

राज्य निर्वाचन आयोग ने कोर्ट को बताया कि तैयारी में आठ सप्ताह का समय और 45 दिन चुनाव प्रक्रिया को पूरा करने में लगेंगे।

कोर्ट को इस बारे में शपथपत्र के माध्यम से भी बताया गया है। साथ ही राज्य निर्वाचन आयोग ने कोर्ट में एक सीलबंद रिपोर्ट भी जमा की है। सीलबंद रिपोर्ट देखने और सभी पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 30 मार्च 2025 की तिथि निर्धारित की है। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता विनोद सिंह ने पक्ष रखा। हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस आनंदा सेन की कोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई।

# सनातन एकता मंच की बैठक में सदस्यता अभियान चलाने का निर्णय

मेट्रो रेज

**रांचीः** सनातन एकता मंच, केंद्रीय कमेटी द्वारा आज प्राचीन श्री राम मंदिर, चुटिया में बैठक की गयी। बैठक की अध्यक्षता रोहित सनातनी तथा मंच संचालन ब्रजेश सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में संगठन द्वारा सभी क्षेत्रों मे सदस्यता अभियान चलाया जायेगा। लोगों को जागरूक करने का कार्य संगठन करेगा। वही रोहित सनातनी ने कहा कि जल्द ही सनातन एकता मंच की एक नई कमेटी का गठन किया जायेगा। बैठक मे मुख्य रूप से धीरज कुमार सिंह, राज कुमार सिंह, रंजीत कुमार, गौरव घोस, अरुण कुमार, आर्यन सागर, अभय सिंह, आर्यन शर्मा, प्रफुल कुमार राय, राकेश, अजीत उपस्थित हुए।

# उम्मीद पोर्टल पर वक़्फ सम्पत्ति दर्ज कराने में लापरवाही : गुलाम शाहिद

## झारखंड वक़्फ बोर्ड की नाकामी पर उठ रहे सवाल

मेट्रो रेज

**रांचीः** झारखंड सुन्नी वक्फ बोर्ड इन दिनों जिस तरह काम कर रहा है, उसे देख यह कहना गलत नहीं होगा कि व्यवस्था चरमराई नहीं– पूरी तरह ठप हो चुकी है। राज्यभर में वक्फ संपत्तियों को उम्मीद पोर्टल पर अपलोड कराने को लेकर हड़कंप मचा हुआ है, लेकिन बोर्ड के जिम्मेदारों के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही। ऊपर से बोर्ड के चेयरमैन दिल्ली में चैन की नींद सो रहे हैं और झारखंड सिर्फ औपचारिकता निभाने आते हैं–न निरीक्षण, न समीक्षा, न समाधान। सवाल यह है कि आखिर इस उदासीनता की कीमत कब तक अल्पसंख्यक समुदाय चुकाता रहेगा?वक्फ बोर्ड का रवैया ऐसा प्रतीत होता है मानो उसे वक्फ संपत्तियों के रख-रखाव, उनकी सुरक्षा या विवादित जायदादों की रक्षा

से कोई लेना-देना नहीं। अंशदान की राशि चाहिए–यह प्राथमिकता है; लेकिन यह धन कहां खर्च हो रहा है, इसका हिसाब देने की किसी को जरूरत महसूस नहीं हो रही। राज्यभर से शिकायतें तो आती हैं, पर समाधान कभी नहीं आता। क्या वक्फ बोर्ड सिर्फ वसूली का दफ्तर बनकर रह गया है?अल्पसंख्यक समुदाय में निराशा गहराती जा रही है। वक्फ संपत्तियों पर अतिक्रमण बढ़ रहा है, जागरूकता नाम की चीज गायब है, और न्यायिक मामलों में पीड़ितों को पुख्ता सहयोग तक नहीं मिल रहा। इसी बीच उम्मीद पोर्टल की जल्दबाजी और अव्यवस्था ने तेल में आग लगाने का काम किया है। आवश्यक प्रशिक्षण और मार्गदर्शन के बिना पोर्टल की समयसीमा थोप देना क्या प्रशासनिक असंवेदनशीलता का सर्वोच्च उदाहरण नहीं?

राज्यभर के मुतवल्ली और प्रतिनिधि साफ शब्दों में मांग कर रहे हैं–जागरूकता अभियान तुरंत शुरू हो,उम्मीद पोर्टल की अंतिम तिथि बढ़ाई जाए,और जमीन पर काम को प्राथमिकता मिले, न कि कागजों में।अगर वक्फ बोर्ड अभी भी नहीं जागा तो गंभीर संकट सिर्फ संपत्तियों पर नहीं, बल्कि वक्फ संस्थान की विश्वसनीयता पर भी आएगा। और इसकी पूरी जिम्मेदारी वक्फ बोर्ड प्रशासन पर ही होगी– क्योंकि यह लापरवाही नहीं, बल्कि एक संस्थागत विफलता की तस्वीर है।

# रांची में उत्पाद विभाग की टीम पर हमला वाहन क्षतिग्रस्त, जवान घायल, प्राथमिकी दर्ज

मेट्रो रेज

**रांचीः** जिले के टाटीसिलवे थाना क्षेत्र अंतर्गत होरहाप गांव में अवैध महुवा चुलाई शराब निर्माण किए जाने की सूचना पर छापेमारी करने गई उत्पाद विभाग की टीम पर अवैध शराब कारोबार में शामिल लोगों के नेतृत्व में ग्रामीणों ने हमला कर दिया। ग्रामीणों ने जंगल से पेड़ काटकर रास्ता में रखकर रास्ता अवरूद्ध कर दिया एवं पत्थरबाजी शुरू कर दी।

पत्थरबाजी में छापेमारी में गए वाहन क्षतिग्रस्त हो गए जबकि कई जवानों को चोट आई है। छापेमारी टीम ने किसी तरह भागकर जान बचाई एवं टाटीसिलवे पुलिस को सूचना दी गई। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और सभी वाहनों को पुलिस लेकर आईं। मामले में विभाग के अवर निरीक्षक दिलीप कुमार शर्मा ने दिनेश महतो, सोनू महतो, अगम सिंह मुंडा एवं रंजीत मुंड़ा सहित अज्ञात 20 - 25 ग्रामीणों पर प्राथमिकी दर्ज कराई है।

दिलीप शर्मा के अनुसार सहायक आयुक्त उत्पाद के निर्देश पर गुप्त सूचना के आधार पर हेसल, कोकर, टाटीसिलवे व होरहाप में छापामारी करने 4 गाड़ियों से 17 लोगों की टीम गई थी। छापामारी में टीम ने दर्जनों शराब भट्टियों को नष्ट करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया वहीं सात लोगों पर फरार अभियोग दर्ज किया पुलिस ने 490 लीटर अवैध चुलाई शराब एवं 92 क्विंटल जाला महुवा जब्त किया।

होरहाप में छापेमारी कर लौटने के दौरान जंगल में ग्रामीणों के द्वारा पेड़ गिराकर रास्ते को रोक दिया गया था। जैसे ही टीम जंगल पहुंची ग्रामीणों ने पत्थरबाजी शुरू कर दी। किसी तरह दो गाड़ी लेकर टीम भाग निकली। वहीं दो गाड़ी फंस गईं। ग्रामीणों को उग्र होता देख गाड़ी में सवार टीम के सदस्य भी गाड़ी छोड़कर भागने लगे। उनपर भी पत्थरबाजी की गई जिसमें कुछ जवानों को हल्की चोट आई है। सुरक्षित स्थान पर पहुंचकर टाटीसिलवे पुलिस को मौके पर बुलाया गया। पुलिस बल की मौजूदगी में क्षतिग्रस्त गाड़ियों को बाहर निकाला।

# एचइसी सप्लाई कर्मियों का महाजुटान, आंदोलन की चेतावनी

संवाददाता

**रांचीः** एचइसी सप्लाई मजदूर जन संघर्ष समिति का महाजुटान रविवार को एचइसी गोलचक्कर शाखा मैदान में हुआ। मौके पर सप्लाई कर्मियों ने प्रबंधन को चेतावनी दी कि 31 दिसंबर तक सभी मांगें पूरी नहीं हुईं तो आंदोलन होगा। सभा की अध्यक्षता करते हुए ओवैसी आजाद ने कहा कि प्रबंधन सप्लाई कर्मियों का शोषण कर रहा है। पूर्व से मिल रही सुविधाओं को एक-एक कर बंद कर रहा है। एक तरफ कर्मी वेतन नहीं मिलने से परेशान हैं, वहीं दूसरी ओर एचइसी के निदेशक भेल से प्रतिमाह वेतन लेकर एचइसी में समय व्यतीत कर रहे हैं। उन्होंने सभी कर्मियों को गोलबंद होकर लड़ाई लड़ने की बात कही। समिति के मनोज पाठक ने कहा कि पिछले दिनों निदेशक कार्मिक व निदेशक उत्पादन से समिति के सदस्यों की वार्ता हुई थी। वार्ता में समिति की ओर से कई मांगे रखी गयी थीं। सभा में सर्वसम्मति से घोषणा की गयी कि अगर प्रबंधन समिति की मांगों पर 31 दिसंबर से पहले बातचीत कर हल नहीं निकालता है, तो आंदोलन की घोषणा की जायेगी। सभा को वाई त्रिपाठी, दिलीप सिंह, रंथु लोहरा, मोइन अंसारी, सुनील कुमार, आरके शर्मा, शारदा देवी, विजय साहू और प्रमोद कुमार ने भी संबोधित किया।

# डीएसपीएमयू में फीस वृद्धि के खिलाफ छात्रों का उग्र आंदोलन, 6वें दिन भी जारी, तालाबंदी

**रांचीः** डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू) के कॉमर्स विभाग में फीस वृद्धि के विरोध में छात्रों का आक्रोश लगातार बढ़ता ही जा रहा है। सोमवार को आंदोलन के छठे दिन भी अंडरग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ तालाबंदी कर जोरदार धरना-प्रदर्शन जारी रखा।

छात्रों का आरोप है कि वे कई महीनों से बढ़ाई गई फीस में कटौती और विभाग में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग कर रहे हैं, लेकिन विश्वविद्यालय प्रशासन उनकी समस्याओं पर ध्यान देने के लिए तैयार नहीं। छात्रों का कहना है कि न तो फीस कम की गई है और न ही विभाग में आवश्यक सुविधाओं में किसी प्रकार का सुधार किया गया है। प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने यह भी साफ कर दिया है कि जब तक कुलपति स्वयं आकर फीस घटाने का आदेश नहीं देते, तब तक आंदोलन किसी भी कीमत पर वापस नहीं लिया जाएगा। छात्रों को समझाने के लिए पुलिस प्रशासन भी कैंपस पहुंचा, लेकिन छात्रों ने कुलपति के अलावा किसी और से बात करने से इनकार कर दिया। इसी दौरान स्थिति तब गंभीर हो गई, जब एक प्रदर्शनकारी छात्र की तबीयत अचानक बिगड़ गई, जिसके बाद उसे तत्काल आरपीएस अस्पताल ले जाया गया। छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन पर आरोप लगाया कि कैंपस में फर्स्ट-एड की बुनियादी सुविधा तक उपलब्ध नहीं है, जिसके कारण साथी छात्र को प्राइवेट कार से अस्पताल पहुंचाना पड़ा। फीस वृद्धि को लेकर छात्रों का गुस्सा थमने का नाम नहीं ले रहा। आंदोलनरत छात्रों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक विरोध जारी रहेगा।

# एजी ऑफिस का वॉकथान कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न

संवाददाता

**रांची :** प्रधान महालेखाकार कार्यालय के तत्वावधान में वॉकथान 23 नवंबर से शुरू हुआ। कांपट्रोलर एंड ऑडिटर जनरल ऑफ इंडिया के निर्देश पर ऑडिट सप्ताह का शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम 23 नवंबर से 28 नवंबर 2025 तक चलेगा। उदघाटन के मौके पर वॉकथान कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथियों ध्यानचंद पुरस्कार से सम्मानित भूतपूर्व राष्ट्रीय महिला हॉकी खिलाड़ी सुमरई टेटे, भारतीय पुलिस सेवा एवं झारखंड खेल निदेशक सरोजिनी लकड़ा तथा सीजीएचएस डोरंडा के मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सुंदरम हर्ष के साथ प्रधान महालेखाकार इंदु अग्रवाल और चन्द्र मॉली सिंह द्वारा हरी झंडी दिखाकर की गई।

वॉकथान का निर्धारित मार्ग लगभग 3.2 किलोमीटर का था, जो एजी ऑफिस से शुरू होकर मेकॉन चौक, बटन तालाब, आंबेडकर चौक होते हुए एजी मोड़ से एजी ऑफिस तक पहुंची। कार्यक्रम के दौरान पुलिस बल ने यातायात संचालन को सुव्यवस्थित रखते हुए प्रतिभागियों की सुरक्षा सुनिश्चित की।

# खेलो इंडिया सॉफ्ट टेनिस वीमेन लीग खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित

मेट्रो रेज

**रांचीः** खेलो इंडिया सॉफ्ट टेनिस वीमेन लीग 2025-26 का आयोजन खेल गाँव स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स, रांची झारखंड में किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि विधायक सीपी सिंह, डॉ मिथिलेश कुमार एसोसिएट प्रोफेसर, यूनिवर्सिटी डिपार्टमेन्ट ऑफ सोसोलॉजी रांची यूनिवर्सिटी , रांची एवं प्रमोद कुमार ठाकुर, महासचिव, झारखंड सौफ्ट टेनिस एसोसिएशन उपस्थित थे। यह प्रतियोगिता तीन केटेगरी सब जूनियर ,जूनियर एवं सीनियर में आयोजित हुई जिसमें सैकड़ों खिलाड़ियों ने इस प्रतिस्पर्धा पर बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया । खिलाड़ियों को ट्रॉफी मेडल एवं सर्टिफिकेट के साथ सम्मानित किया गया

**सीनियर्स**
**प्रथम** – अलीना बिरुआ
**द्वितीय** – अलपलाता बाखला
**तृतीय**- खुशबू कुमारी
**तृतीय** – साक्षी कुमारी
सब जूनियर्स
**प्रथम** – नैना कुमारी
**द्वितीय** -अर्चना खलखो
**तृतीय**- अर्चना कुमारी
**जूनियर्स**
**प्रथम** – हिमांशी प्रियदर्शिनी
**द्वितीय** – रिंकी कुशवाहा
**तृतीय** – सलोनी कुमारी
**तृतीय** – प्रतिमा कुमारी

# बच्चों में आग जगाना ही असली शिक्षा : फहद सरफराज अहमद

## शिकागो से आए विश्व प्रसिद्ध मोटीवेटर फहद सरफराज अहमद ने आइडियल इंटरनेशनल स्कूल के बच्चों को किया प्रेरित

मेट्रो रेज

**रांचीः** आइडियल इंटरनेशनल स्कूल, दलादली में सोमवार को शिकागो से आए युवा प्रेरक वक्ता फहद सरफराज अहमद ने बच्चों और अभिभावकों को संबोधित किया। कार्यक्रम में डॉ. सरफराज अहमद, आइडियल ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन के अध्यक्ष डॉ. माजिद आलम, स्कूल के निर्देश डॉ. तनवीर आलम, डॉ. सुम्बुल आलम सहित विद्यालय के कई शिक्षक व अभिभावक उपस्थित थे।

फहद अहमद ने कहा कि बच्चों की वास्तविक क्षमता तब विकसित होती है, जब उन्हें ना

नहीं, बल्कि हाँ कहकर प्रयास करने दिया जाए। उन्होंने कहा कि गलतियाँ सीखने की पहली सीढ़ी हैं, इसलिए अभिभावकों को बच्चों को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

उन्होंने अपनी प्रेरक वेबसाइट द लैडर का परिचय भी दिया, जिसमें बच्चे अपनी फोटो और सपनों की नौकरी डालकर भविष्य की रूपरेखा देख सकते हैं और लक्ष्य तक पहुँचने का मार्ग समझ सकते हैं।फहद ने बताया कि आने वाले दिनों में वे रांची के अन्य स्कूलों में भी ऐसे ही प्रेरक सत्र आयोजित करेंगे।

## सूक्ति

सबसे प्रेम करो, कुछ पर विश्वास करो
अन्याय किसी के साथ मत करो : शेक्सपियर

## एसआईआर पर विवाद

लोकतंत्र से बड़ा और महत्वपूर्ण न तो चुनाव आयोग है और न ही मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण है। यदि चुनाव आयोग के इस शुद्धिकरण अभियान पर कुछ राज्य सरकारों की आपत्तियां और सवाल हैं, तो आयोग पूरी संवेदनशीलता के साथ सुने और समन्वयवादी कार्रवाई करे। चुनाव आयोग अपनी संवैधानिकता के खोल में सिमटा, खामोश नहीं बैठा रह सकता। वह संसद और राष्ट्र के प्रति पूरी तरह जवाबदेह है। सरकार बहाने बनाती रही है और बीते संसद सत्र के दौरान 100 से अधिक नोटिसों के बावजूद चुनाव आयोग पर चर्चा कराने से कन्नी काटती रही है। चूंकि लोकतंत्र में औसत मतदाता, यानी देश का नागरिक, ही सर्वोच्च है। वह मतदाता ही संसद और सरकार को चुनता है। सरकार संसद के प्रति जवाबदेह है। सरकार ही चुनाव आयुक्तों का चयन करती है। इन तमाम समीकरणों के मद्देनजर संसद में चुनाव आयोग की भूमिका और मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर लंबी चर्चा होनी चाहिए। संसद का शीत सत्र 1 दिसंबर से शुरू हो रहा है। दरअसल यह देश एक भी नागरिक की मौत या आत्महत्या की घटना को बर्दाश्त नहीं कर सकता। चुनाव आयोग यह मुगालता भी न पाले कि राज्यों में फर्जी और घुसपैठियों के वोट से ही सरकारें बनी हुई हैं। यह राजनीति है और चुनाव आयोग को ऐसी राजनीति में संलिप्त नहीं होना चाहिए। वह देश की संवैधानिक संस्था है। देश उसका बहुत सम्मान करता है, भरोसा करता है। लेकिन सिर्फ चुनाव आयोग ही सच्चा और सही है, समूचा विपक्ष गलत और दुष्प्रचारी है। विपक्ष भी लोकतंत्र में निर्वाचित पक्ष है।

बेशक एसआईआर एक प्रशासनिक और विसंगतियों को दुरुस्त करने की अनिवार्य प्रक्रिया है, लेकिन वह मौत या आत्महत्या की प्रक्रिया साबित नहीं होनी चाहिए। हमें क्या, पूरे देश को यह स्वीकार्य नहीं होगा कि बंगाल, तमिलनाडु, केरल, राजस्थान, मप्र आदि राज्यों में बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) आत्महत्याएं करें अथवा काम के अत्यधिक दबाव और तनाव के कारण अकाल मौत के शिकार हों और चुनाव आयोग एसआईआर के आंकड़े ही गिनता रहे। देश में जनगणना की प्रक्रिया भी बाधित हुई है, तो एसआईआर के लिए चुनाव आयोग इतनी हड़बड़ी, जल्दबाजी में क्यों है कि एक ही माह में करीब 51 करोड़ मतदाताओं के रिकॉर्ड विशुद्ध करने पर आमादा है? जब 20 साल या अधिक अवधि तक मतदाता सूचियों का शुद्धिकरण नहीं होता, तो क्या देश में चुनाव फर्जी या गड़बड़ वाली सूचियों के आधार पर किए गए? यह भी असंवैधानिक है। दरअसल शुद्धिकरण की एक निश्चित समय-सीमा होनी चाहिए। अब 12 राज्यों और संघशासित क्षेत्रों में एसआईआर का अभियान जारी है। उन राज्यों में भी पुनरीक्षण कराया जा रहा है, जहां चुनाव 2027 या 2028 में होने हैं। कमोबेश वहां तो तनावरहित तरीके से यह अभियान चलाया जा सकता है। यदि एक माह में नहीं, तो छह माह में मतदाता सूचियों का शुद्धिकरण हो जाएगा, तो कौनसा पहाड़ टूट पड़ेगा? कौनसा संवैधानिक पेंच फंस जाएगा? चुनाव आयोग इस देश का प्रहरी है, संरक्षक भी है, लोकतंत्र का संचालक भी है, लेकिन वह तानाशाह नहीं हो सकता। वह मनमर्जी या किसी की मिलीभगत, सांठगांठ के मद्देनजर मताधिकार छीन नहीं सकता। वह मौलिक अधिकार संविधान देता है। चुनाव आयोग को भी उसी संविधान ने छाया दे रखी है। यदि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार गुप्ता को पत्र लिख कर पुनरीक्षण की प्रक्रिया को अमानवीय, खतरनाक, थोपी जाने वाली प्रक्रिया करार दिया है, तो उसके मायने ये नहीं हैं कि वह देश-विरोधी, चुनाव आयोग-विरोधी हैं। केरल और तमिलनाडु सरकारों के भी सवाल हैं। उन्होंने सर्वोच्च अदालत में चुनौती दी है। दरअसल ज्ञानेश कुमार को सार्वजनिक रूप से, बिंदुवार, सभी सवालों के जवाब देने चाहिए।

## इस बार भी नीतीश सरकार

**पटना (बिहार)** का गांधी मैदान एक बार फिर ऐतिहासिक क्षणों का साक्षी बना। राज्य में भाजपा-एनडीए सरकार ने शपथ ग्रहण की। नीतीश कुमार लगातार 10वीं बार मुख्यमंत्री बने। उन्होंने 7वीं, 8वीं, 9वीं बार मुख्यमंत्री पद ग्रहण करने के अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बीते 19 साल 2 माह से मुख्यमंत्री पद पर हैं। भाजपा के सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा को उपमुख्यमंत्री पद पर यथावत रखा गया है। कमोबेश यह दलबदल और अनिश्चित राजनीति के दौर का कीर्तिमान है। नई विधानसभा में भाजपा 89 सीटों के साथ जनता दल-यू के 85 विधायकों से आगे है। फिलहाल भाजपा के 14, जद-यू के 8, लोक जनशक्ति पार्टी (आर) के 2 और हम-राष्ट्रीय लोक मोर्चा के 1-1 मंत्रियों ने शपथ ग्रहण की है। भाजपा के 9 नए चेहरे मंत्री बनाए गए हैं। कुल 243 विधायकों में से 202 भाजपा-एनडीए के जीते हैं। जिस विपक्ष ने नीतीश कुमार की उम्र और उनके मानसिक-शारीरिक स्वास्थ्य को लेकर भद्दी टिप्पणियां की थीं, उनमें राजद 25 सीट पर ही सिमट चुका है और कथित राष्ट्रीय पार्टी कांग्रेस के हिस्से मात्र 6 सीट आई हैं। दरअसल इस बार भाजपा-एनडीए का जनादेश चुनौतीहीन है। नीतीश कैबिनेट के शपथ ग्रहण समारोह में देश के प्रधानमंत्री मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के अलावा, एक दर्जन मुख्यमंत्री भी उपस्थित रहे। यह एनडीए का शक्ति-प्रदर्शन भी था और जनादेश की व्यापकता भी थी कि देश के 60 फीसदी से अधिक इलाके पर भाजपा-एनडीए का शासन है। अब भाजपा के विधायकों की कुल संख्या 1654 और एनडीए के विधायकों का आंकड़ा 2300 से अधिक है। जश्न, उल्लास और उत्साह वाकई चरम पर था। बेशक यह भाजपा-एनडीए की लोकतांत्रिक स्वीकार्यता भी है। बहरहाल नीतीश सरकार के बनते ही बिहार में चुनाव का दौर सम्पन्न हो गया, लेकिन सरकार के सामने वायदों की चुनौतियां असंख्य हैं। जिम्मेदारियां हिमालय-सी हैं। बिहार सरकार को यथाशीघ्र 28,000 करोड़ रुपए की दरकार है, ताकि वायदों को निभाने की शुरूआत की जा सके। जनसुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर, बेशक, चुनाव हार गए, हिस्से में बड़ा शून्य आया, लेकिन उनके आरोप बेहद अहम हैं कि भाजपा-एनडीए ने 29,000 करोड़ रुपए महिलाओं में बांटे और इस तरह उनके वोट खरीदे गए। इस बार बिहार में 71.78 फीसदी महिलाओं ने वोट दिए और पुरुषों की तुलना में महिलाओं ने 4 लाख से अधिक वोट डाले। यही भाजपा-एनडीए जनादेश की बुनियाद साबित हुई। प्रशांत का आरोप यह भी है कि नीतीश कुमार ने 40,000 करोड़ रुपए के वायदे भी किए हैं। उनमें महिलाओं को 2-2 लाख रुपए मुहैया कराने का भी वायदा है। यदि सरकार ने 6 माह के कार्यकाल में महिलाओं को 2 लाख रुपए नहीं दिए गए, तो वह इस मुद्दे पर अदालत में चुनौती देंगे। यह वोट खरीद का स्पष्ट मामला है, जो लोकतांत्रिक चुनाव में अवैध है। सवालिया यह भी है कि 1.80 लाख जीविका दीदियों को सरकार द्वारा बूथों पर चुनाव ड्यूटी पर क्यों लगाया गया? उन्होंने भाजपा-एनडीए के पक्ष में वोट देने का प्रचार क्यों किया? चुनाव आयोग ने आदर्श संहिता के बावजूद, चुनाव के दौरान ही, महिलाओं में 10,000 रुपए क्यों बंटने दिए? यदि यह कानूनन सही था, तो तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, राजस्थान, हिमाचल, उप्र आदि के चुनावों में विभिन्न योजनाओं और नकदी बांटने पर चुनाव आयोग ने रोक क्यों लगाई थी? बेशक जवाबदेही चुनाव आयोग की है, लेकिन भाजपा-एनडीए भी हिस्सेदार हैं।

# कहीं कांग्रेस के विघटन का कारण उसकी वामपंथी सोच तो नहीं?

**'कांग्रेस का ऐतिहासिक स्वरूप हमेशा से मध्यमार्गी रहा है। यही उसकी ताकत भी थी—विभिन्न विचारधाराओं को एक साथ रखने की क्षमता। गांधी का सामाजिक-आर्थिक दृष्टिकोण, पटेल का प्रशासनिक व्यावहारिकता का आग्रह और नेहरू का आधुनिकता व समाजवाद की ओर झुकाव—ये सब मिलकर कांग्रेस को एक अम्ब्रेला पार्टी बनाते थे। लेकिन स्वतंत्रता के बाद यह संतुलन धीरे-धीरे बिगड़ने लगा। नेहरू का समाजवादी दृष्टिकोण उस समय की परिस्थितियों में समझदारी भरा था, परंतु इसने पार्टी की वैचारिक दिशा को स्थायी रूप से बाईं ओर मोड़ दिया। बाद में इंदिरा गांधी के दौर में यह झुकाव और स्पष्ट हुआ। 1969 के विभाजन, बैंकों के राष्ट्रीयकरण, प्रिवी पर्स की समाप्ति और गरीबी हटाओ जैसे नारों ने कांग्रेस को स्पष्ट रूप से समाजवादी-लोकलुभावन राजनीति के रास्ते पर ला खड़ा किया। इससे तत्कालीन राजनीतिक वातावरण में कांग्रेस को लाभ मिला, लेकिन दीर्घकाल में उसने पार्टी की विविधता को क्षति पहुंचाई। दक्षिणपंथी और उदारवादी प्रवृत्तियाँ धीरे-धीरे हाशिए पर चली गईं और कांग्रेस का वैचारिक क्षेत्र सीमित होता गया।'**

**महेन्द्र तिवारी**

यह प्रश्न आज भारतीय राजनीति की बदलती दिशाओं और सामाजिक-आर्थिक रूपांतरणों के बीच बार-बार उठता है। कांग्रेस, जिसने स्वतंत्रता संग्राम से लेकर राष्ट्र-निर्माण तक अद्वितीय भूमिका निभाई, आज अपनी पहचान, अपने संगठन और अपने मतदाताओं—तीनों से संघर्ष करती दिखती है। एक समय में भारतीय राजनीति की धुरी रही यह पार्टी अब अपने ही बिखरे हुए वैचारिक आधार, नेतृत्व संबंधी उलझनों और जनभावनाओं से दूरी के कारण कमजोर होती जा रही है। ऐसे में यह जांचना स्वाभाविक है कि क्या वास्तव में वामपंथी झुकाव कांग्रेस के पतन का केंद्रीय कारण है, या यह केवल एक बड़े संकट का एक पहलू भर है।

कांग्रेस का ऐतिहासिक स्वरूप हमेशा से मध्यमार्गी रहा है। यही उसकी ताकत भी थी—विभिन्न विचारधाराओं को एक साथ रखने की क्षमता। गांधी का सामाजिक-आर्थिक दृष्टिकोण, पटेल का प्रशासनिक व्यावहारिकता का आग्रह और नेहरू का आधुनिकता व समाजवाद की ओर झुकाव—ये सब मिलकर कांग्रेस को एक अम्ब्रेला पार्टी बनाते थे। लेकिन स्वतंत्रता के बाद यह संतुलन धीरे-धीरे बिगड़ने लगा। नेहरू का समाजवादी दृष्टिकोण उस समय की परिस्थितियों में समझदारी भरा था, परंतु इसने पार्टी की वैचारिक दिशा को स्थायी रूप से बाईं ओर मोड़ दिया। बाद में इंदिरा गांधी के दौर में यह झुकाव और स्पष्ट हुआ। 1969 के विभाजन, बैंकों के राष्ट्रीयकरण, प्रिवी पर्स की समाप्ति और गरीबी हटाओ जैसे नारों ने कांग्रेस को स्पष्ट रूप से समाजवादी-लोकलुभावन

राजनीति के रास्ते पर ला खड़ा किया। इससे तत्कालीन राजनीतिक वातावरण में कांग्रेस को लाभ मिला, लेकिन दीर्घकाल में उसने पार्टी की विविधता को क्षति पहुंचाई। दक्षिणपंथी और उदारवादी प्रवृत्तियाँ धीरे-धीरे हाशिए पर चली गईं और कांग्रेस का वैचारिक क्षेत्र सीमित होता गया। वास्तविक समस्या तब और गहरी हुई जब भारत की आर्थिक परिस्थितियाँ बदलीं, लेकिन कांग्रेस उसी पुराने समाजवादी ढांचे से बाहर निकलने को तैयार नहीं हुई। लाइसेंस राज की कठोरता, सरकार का अत्यधिक नियंत्रण और उद्यमशीलता के प्रति अविश्वास ने भारत की विकास यात्रा को लंबे समय तक रोके रखा। 1991 में पीवी. नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह ने उदारीकरण शुरू करके कांग्रेस के भीतर छिपी हुई उदारवादी धारा को एक बार फिर जीवित किया, लेकिन यह बदलाव पार्टी के भीतर एक स्थायी वैचारिक सुधार के रूप में स्थापित नहीं हो पाया। दो दशक बाद जब भारत का मध्यम वर्ग मजबूत हो चुका था और ह्यअवसर आधारित विकास को प्राथमिकता देने लगा था, कांग्रेस फिर से कल्याणकारी राजनीति और पुनर्वितरण-आधारित वामपंथी तर्कों में फंस गई। खासकर राहुल गांधी की राजनीति में उद्योगपतियों का खलनायकीकरण, संपत्ति कर : जैसे विचारों का समर्थन और उद्यमियों के प्रति शंका—ये सब ऐसे संकेत थे जो उभरते हुए मध्यम वर्ग को असहज करते रहे। आकांक्षी भारत अब फ्रीबी से अधिक फ्रीडम टू ग्रो चाहता था, लेकिन कांग्रेस का संदेश पुराने समाजवादी ढांचे में अटका हुआ दिखा। वामपंथी सोच का प्रभाव केवल आर्थिक नीतियों तक सीमित नहीं रहा। सांस्कृतिक और सामाजिक क्षेत्र में भी यह झुकाव कांग्रेस को बहुसंख्यक समाज से दूर ले गया। धर्मनिरपेक्षता, जो कभी कांग्रेस की ताकत थी, वाम- प्रेरित अकादमिक धारणाओं के प्रभाव में तुष्टिकरण जैसी नीति में बदलती गई। वामपंथी बौद्धिक वर्ग अक्सर भारतीय सभ्यता, परंपरा और धार्मिक प्रतीकों के प्रति आलोचनात्मक रुख रखता रहा है, और कांग्रेस ने समय के साथ इसी दृष्टिकोण को अपनी राजनीति में समाहित कर लिया। इसका परिणाम यह हुआ कि कांग्रेस एक ऐसी पार्टी के रूप में देखी जाने लगी जो भारत की मूल सांस्कृतिक पहचान से असंगत है। राम मंदिर, समान नागरिक संहिता या धारा 370 जैसे मुद्दों पर कांग्रेस का रुख अक्सर जनभावनाओं के विपरीत प्रतीत हुआ, जबकि भाजपा ने इन मुद्दों को सांस्कृतिक राष्ट्रीयता के भावनात्मक फ्रेम में पेश कर जनता से सीधा जुड़ाव बना लिया। परंतु यह कहना कि कांग्रेस के पतन का पूरा कारण केवल वामपंथी सोच है, वास्तविकता को सरलीकृत करना होगा। वामपंथी दिशा ने कांग्रेस की समस्याओं को अवश्य गहरा किया, लेकिन नेतृत्व संकट, संगठनात्मक कमजोरी और भ्रष्टाचार के आरोपों ने इस पतन को कई गुना तेज कर दिया। नेतृत्व लंबे समय से एक ही परिवार के इर्द-गिर्द केंद्रित रहा, जिससे संगठन में स्वायत्तता और वैचारिक बहस समाप्त हो गई। पार्टी भीतर से खोखली होती गई, क्षेत्रीय नेतृत्व कमजोर पड़ा और कैडर-आधारित राजनीति की क्षमता लगभग खत्म हो गई। यूपीए-2 के समय हुए घोटालों ने कांग्रेस की नैतिक विश्वसनीयता को बुरी तरह क्षति पहुंचाई। जनता के बीच यह धारणा बनी कि कांग्रेस विकास से अधिक सत्ता-संरक्षण में रुचि रखती है। आज की स्थिति यह है कि कांग्रेस एक मुख्यधारा की राजनीतिक पार्टी से अधिक एक लेफ्ट-लिबरल एनजीओ जैसी प्रतीत होती है—नीतियों और घोषणाओं में अधिक विचारधारा, पर जमीन पर संगठनात्मक कार्यवाही कम। 2024 के बाद यह समस्या और स्पष्ट रूप से सामने आई है। पार्टी जिस सामाजिक-आर्थिक जनसमूह को अपनी नीतियों से आकर्षित करना चाहती थी, वह या तो क्षेत्रीय दलों की ओर चला गया है या भाजपा की राष्ट्रवादी-आर्थिक कथा में समा गया है। वहीं शहरी मध्यम वर्ग, जो उदारीकरण का लाभार्थी है और जिसे कांग्रेस अपने साथ जोड़ सकती थी, वामपंथी-स्वरूपित संदेशों से अलग-थलग महसूस करता है।

इसलिए, कांग्रेस के विघटन का कारण एकल नहीं, बल्कि बहुआयामी है। फिर भी, यह कहना गलत नहीं होगा कि वामपंथी झुकाव पार्टी की पहचान, उसकी रणनीति और उसकी प्रासंगिकता—तीनों को कमजोर करने वाला एक केंद्रीय तत्व रहा है। वास्तविक समस्या यह रही कि कांग्रेस ने समय के बदलते सामाजिक-आर्थिक माहौल को समझने में देरी की। जब विश्व समाजवाद से आगे बढ़कर व्यावहारिक उदारवाद और कल्याणकारी पूंजीवाद की ओर बढ़ा, कांग्रेस वैचारिक रूप से 1970 के दशक के समाजवादी फ्रेम में जकड़ी रही।

# संविधान और संसद बलों की मंजूरी में राज्यपाल की सीमाएं

**'संवैधानिक संस्थाओं के बीच सम्मानजनक दूरी और आवश्यक संवाद, दोनों की जरूरत को फिर से रेखांकित किया गया है। न्यायपालिका ने जहाँ अपनी सीमा का सम्मान किया, वहीं राज्यपालों को भी उनकी संवैधानिक जिम्मेदारी की याद दिलाई। यह निर्णय सरकारों, राजनीतिक दलों और संवैधानिक पदाधिकारियों के लिए एक संदेश है कि शासन की प्रक्रिया दमित या बाधित होने के लिए नहीं, बल्कि सुचारु और संयमित ढंग से चलने के लिए बनाई गई है। किसी भी स्तर पर अवरोध लोकतांत्रिक व्यवस्था का अपमान है।'**

**महेन्द्र तिवारी**

भारतीय संविधान की संरचना संघवाद, शक्तियों के पृथक्करण और लोकतांत्रिक जवाबदेही की गहरी नींव पर टिकी है। इस ढांचे में राज्यपालों और राष्ट्रपति की भूमिका केवल औपचारिक नहीं, बल्कि एक संवैधानिक संतुलन बनाए रखने वाली जिम्मेदारी है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट की पांच-सदस्यीय संविधान पीठ ने राज्यपालों और राष्ट्रपति की बिल मंजूरी संबंधी शक्तियों पर जो महत्वपूर्ण राय दी है, उसने न केवल संवैधानिक विमर्श को नया आयाम दिया है, बल्कि शासन प्रक्रिया में लंबे समय से चल रहे एक संवैधानिक तनाव को भी स्पष्ट रूप से रेखांकित किया है। यह फैसला बताता है कि राज्यपाल बिलों को अनिश्चितकाल के लिए लंबित नहीं रख सकते, लेकिन न्यायपालिका उनकी निर्णय-सीमा तय भी नहीं कर सकती। इस दोहरे निष्कर्ष ने केंद्रझराज्य संबंधों और विधायी प्रक्रिया की गरिमा पर कई महत्वपूर्ण सवालों और उत्तरों को एक साथ सामने रखा है। संविधान के अनुच्छेद 200 और 201 राज्यपाल और राष्ट्रपति को तीन स्पष्ट विकल्प देते हैं—बिल को मंजूरी देना, उसे विधानसभा को पुनर्विचार के लिए लौटाना, या उसे राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित करना। इन विकल्पों का स्वरूप बताता है कि संवैधानिक निमार्ताओं ने राज्यपाल को केवल एक रबर स्टैंप की भूमिका नहीं दी थी, बल्कि एक विवेकाधारित जिम्मेदारी प्रदान की थी। किंतु प्रश्न यह है कि क्या इस विवेक का उपयोग असीमित समय पर टिका रह सकता है? हाल के वर्षों में कई राज्यों—विशेष रूप से तमिलनाडु, केरल, पंजाब, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक और तेलंगाना—ने आरोप लगाया कि राज्यपाल राजनीतिक कारणों से विधेयकों को महीनों, कभी-कभी सालों तक लंबित रखते हैं, जिससे न केवल विधायिका की संप्रभुता प्रभावित होती है बल्कि शासन संचालन भी अवरुद्ध हो जाता है। यह राजनीतिक टकराव अंततः न्यायिक समीक्षा के दायरे में आया। अप्रैल 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने एक अंतरिम आदेश दिया था कि राष्ट्रपति और राज्यपाल तीन माह के भीतर बिल पर निर्णय लें। यह आदेश राज्यों और केंद्र के बीच उत्पन्न तनाव को कम करने का एक व्यावहारिक प्रयास था। लेकिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्वयं इस पर सुप्रीम कोर्ट से राय मांगी, यह कहते हुए कि संवैधानिक पदाधिकारियों के विवेकाधिकार पर न्यायपालिका समयसीमा थोप सकती है या नहीं—यह खुद एक संवैधानिकप्रश्न है। इसी संदर्भ में 20 नवंबर 2025 को संविधान पीठ ने विस्तार से सुनवाई की और यह स्पष्ट किया कि न्यायपालिका किसी भी संवैधानिक पदाधिकारी पर समय सीमा लागू नहीं कर सकती। यह निष्कर्ष सेपरेशन ऑफ पावर्स के सिद्धांत को पुनः स्थापित करता है, जिसके अनुसार राष्ट्रपति और राज्यपाल की शक्तियाँ उनकीसंवैधानिक स्वायत्तता के दायरे में आती हैं, और न्यायपालिका को इन शक्तियों का सूक्ष्म प्रबंधन नहीं करना चाहिए।

हालाँकि, पीठ ने यह भी उतनी ही स्पष्टता से कहा कि बिल को अनिश्चितकाल तक रोककर रखना संविधान की भावना के विपरीत है। यानी निर्णय लेना अनिवार्य है, पर उसकी समय सीमा न्यायपालिका तय नहीं करेगी। यह संतुलन संवैधानिक विवेक और लोकतांत्रिक जवाबदेही के बीच एक मध्य मार्ग प्रस्तुत करता है। इसे न्यायपालिका द्वारा निर्मित करना संघीय ढांचे पर अनुचित प्रभाव डालता। इसलिए असहमति हो सकती है,लेकिन स्वचालित सहमति नहीं हो सकती। यह फैसला एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू पर भी रोशनी डालता है—विवेकाधिकार के मूल स्वरूप पर। अदालत नेकहा कि वह राज्यपाल के निर्णय की मेरिट यानी गुण-दोष की समीक्षा नहीं करेगी। यदि राज्यपाल लंबे समयतक कोई कार्रवाई नहीं करते, तो न्यायालय प्रशासनिक निर्देश जारी कर सकता है कि राज्यपाल निर्णय लें, लेकिन वह यह नहीं कह सकता कि उन्हें मंजूरी देनी है या रोकनी है। यह रेखा सूक्ष्म जरूर है, पर संवैधानिक ढांचे की रक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। यह न्यायपालिका की अपनी सीमाओं का अहसास भी कराता है और पदाधिकारियों की संवैधानिक जिम्मेदारियों की याद भी दिलाता है। इस निर्णय के राजनीतिक निहितार्थ भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। भारत की संघीय राजनीति लंबे समय से राज्यपालों की भूमिका को लेकर विवादों से घिरी रही है। कई बार राज्यपालों पर केंद्र की राजनीतिक इच्छाओं को लागू करने का आरोप लगता है, विशेषकर उन राज्यों में जहाँ विपक्षी दल सत्ता में हों। विधेयकों को लंबित रखना अक्सर राजनीतिक दबाव के एक उपकरण के रूप में देखा जाता है, जो न केवल राज्य सरकार की नीतिगत स्वतंत्रता का उल्लंघन करता है बल्कि जनता द्वारा चुनी गई विधानसभाओं की गरिमा को भी चोट पहुंचाता है। सुप्रीम कोर्ट ने इस संदर्भ में एक संवैधानिक मयार्दा तय कर दी है कि लंबित रखना विकल्प नहीं है। इस सरल टिप्पणी का राजनीतिक प्रभाव गहरा है—अब राज्यपालों को कार्रवाई करनी ही होगी, चाहे वह मंजूरी हो या पुनर्विचार। इस प्रकार राज्य सरकारों को अपनी नीतियाँ लागू करने में अनावश्यक अवरोधों का सामना कम होगा। इस निर्णय का एक व्यापक प्रभाव यह है कि संवैधानिक संस्थाओं के बीच सम्मानजनक दूरी और आवश्यक संवाद, दोनों की जरूरत को फिर से रेखांकित किया गया है। न्यायपालिका ने जहाँ अपनी सीमा का सम्मान किया, वहीं राज्यपालों को भी उनकी संवैधानिक जिम्मेदारी की याद दिलाई। यह निर्णय सरकारों, राजनीतिक दलों और संवैधानिक पदाधिकारियों के लिए एक संदेश है कि शासन की प्रक्रिया दमित या बाधित होने के लिए नहीं, बल्कि सुचारु और संयमित ढंग से चलने के लिए बनाई गई है। किसी भी स्तर पर अवरोध लोकतांत्रिक व्यवस्था का अपमान है। अंततः यह फैसला भारतीय संघवाद की आत्मा के अनुरूप है। न तो न्यायपालिका सर्वशक्तिमान है, न राज्यपाल असीमित शक्तियों से लैस हैं। संविधान ने दोनों के कर्तव्यों और सीमाओं को परिभाषित किया है। सुप्रीम कोर्ट की यह राय उसी संवैधानिक मयार्दा की पुनः पुष्टि है। यह न केवल राज्यों की विधायी प्रक्रिया को गति देगा, बल्कि केंद्र और राज्यों के बीच आपसी विश्वास की राह भी कुछ हद तक आसान करेगा। लोकतंत्र का वास्तुशिल्प तभी स्थिर रहता है जब उसके सभी स्तंभ अपनी-अपनी सीमाओं और जिम्मेदारियों को समझकर कार्य करें। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला उसी संतुलन को कायम रखने का एक सुविचारित प्रयास है—संविधान की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, शासन की प्रक्रिया को मजबूती प्रदान करने वाला।

# भावों के तूफान में

**ओशो**

**मुझे** लगता है कि मैं हमेशा भावों के तूफान में घिरा रहता हूं, इससे बाहर कैसे निकलना? मैंने सिर्फ निरीक्षण करके देखा है लेकिन जैसे ही एक भाव चला जाता है, दूसरा आ खड़ा होता है। हर उस भाव को जीयो जिसे तुम महसूस करते हो। वह तुम ही हो। घृणा से भरे, कुरूप, अपात्र, जो भी हो, उसमें रहो। पहले भावों को एक मौका दो पूरी तरह चेतन मन में आने का। अभी जागरूकता के प्रयास में तुम उन्हें अवचेतन में दबा रहे हो। फिर तुम अपने रोजमर्रा के कामों में उलझ जाते हो और उन्हें जबरदस्ती दबा देते हो। उनसे निजात पाने का यह तरीका नहीं है। उन्हें बाहर आने दो, उन्हें जीयो। यह कठिन और दूभर होगा लेकिन अपरिसीम रूप से लाभदायी। एक बार तुमने उनको जी लिया, उनकी पीड़ा झेली और उन्हें स्वीकार किया कि यह तुम हो कि तुमने खुद को इस तरह नहीं बनाया है इसलिए तुम्हें खुद का धिक्कार नहीं करना चाहिए, कि तुमने खुद को इसी तरह पाया है। एक बार तुम उन्हें होश पूर्वक जी लेते हो बिना किसी दमन के, तुम आश्चर्य चकित होओगे कि वे अपने आप विलीन हो रहे हैं। तुम्हारी गर्दन पर उनकी पकड़ ढीली हो रही है, तुम्हारे ऊपर उनकी ताकत कम हो रही है। और जब वे विदा होते हैं तब वह समय आ सकता है जब तुम साक्षीभाव से देखना शुरू करोगे। एक बार सब कुछ चेतन मन में आता है तो वह खो जाता है और जब सिर्फ एक छाया रहती है तो वह समय होता है होश पूर्वक देखने का। अभी तो वह स्किजोफ्रेनिया, खंडित मन पैदा करेगा, बाद में वह बुद्धत्व पैदा करेगा। जब भय होता है तो क्या करना? जब भय हो तो कुछ करने के लिए क्यों पूछते हो? भयभीत होओ! द्वंद्व क्यों पैदा करना? जब भय के क्षण आएं तो डरो, कांपने लगो और भय को हावी हो जाने दो। यह सतत प्रश्न क्यों कि क्या करें? क्या तुम जीवन को किसी तरह अपने ऊपर हावी नहीं होने दे सकते। जब प्रेम हावी हो जाता है तब क्या करना? प्रेमपूर्ण होओ। कुछ मत करो, प्रेम को हावी होने दो। जब भय होता है तब तूफान में कंपते हुए पत्ते की भांति कंपो और वह सुंदर होगा। जब वह चला जाएगा, तुम शांत और निस्तरंग महसूस करोगे, ठीक वैसे ही जैसे कोई तेज तूफान गुजर जाता है तो सब कुछ शांत और नीरव हो जाता है। हमेशा किसी न किसी चीज से लड़ना क्यों? भय होता है, वह नैसर्गिक है, बिलकुल नैसर्गिक।

## आपके पत्र

### आतंक पर निर्णायक सख्ती जरूरी

भारत एक ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहां आतंकवाद का स्वरूप बदलकर और भी जटिल और खतरनाक हो चुका है। राजधानी दिल्ली से लेकर देश के विभिन्न शहरों में हाल की घटनाएं केवल हिंसक वारदातें नहीं, बल्कि यह चेतावनी हैं कि हमारी सुरक्षा संरचनाओं में अभी भी जितनी मजबूती और तत्परता होनी चाहिए, वह नहीं है।

हर विस्फोट केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि यह प्रश्न भी है कि एक उभरती वैश्विक शक्ति के रूप में भारत क्या अपनी आंतरिक सुरक्षा को उसी गंभीरता से देख रहा है, जैसी दुनिया के विकसित राष्ट्र देखते हैं? अमेरिका ने 9/11 की भयावहता के बाद आतंकवाद को गंभीर खतरे के रूप में लिया। भारत को भी अब उसी स्तर की संवेदनशीलता और निर्णायकता की आवश्यकता है।

**बीके शर्मा,रांची**

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
**प्रधान संपादक** : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in
**email : metrorays.ranchi@gmail.com**

न्यूज IN ब्रीफ

## खेलो झारखंड राज्य स्तरीय खो खो में बालक अंडर 14 वर्ष टीम सेमीफाइनल में पहुंची

**साहिबगंज :** झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, रांची द्वारा रांची में 22 से 24 नवंबर तक आयोजित खेलो झारखंड राज्य स्तरीय स्कूली एस.जी.एफ.आई बालक अंडर 14 खो खो प्रतियोगिता में जिले के खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए। कुल 24 जिले में अंतिम 04 सेमीफाइनल में प्रवेश किया। साहिबगंज की टीम ने क्वार्टर फाइनल में हजारीबाग टीम को पराजित किया इसके पूर्व जिले की टीम ने कई जिलों की टीम को पराजित किया।इस उपलब्धि पर उपायुक्त हेमंत सती, उपविकास आयुक्त सतीश चंद्रा,आई टी डी ए निदेशक संजय कुमार,अपर समाहर्ता गौतम भगत,जिला शिक्षा पदाधिकारी दुर्गा नंद झा, जिला खेल पदाधिकारी सह जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष समेत जिले वासियों ने टीम को बधाई दी।

## सब जूनियर नेशनल कबड्डी के लिए जिले के 03 खिलाड़ी चयनित

**साहिबगंज :** भारतीय कबड्डी संघ द्वारा 27 से 30 नवंबर 2025 तक हरियाणा के सोनीपत शहर में आयोजित 35वीं सब जूनियर नेशनल कबड्डी प्रतियोगिता के लिए जिले से 03 खिलाड़ियों पूजा कुमारी ,कविता कुमारी एवं अनामिका कुमारी का चयन झारखंड राज्य टीम में किया गया है, वही झारखंड राज्य टीम के कोच लालू कुमार को बनाया गया हैं यह जिले के लिए गर्व की बात है ।राज्य टीम में शामिल खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षक को उपायुक्त हेमंत सती, उपविकास आयुक्त सतीश चंद्रा, जिला खेल पदाधिकारी कुमार हर्ष समेत जिले के खेल प्रेमियों ने बधाई दी।

## पुलिस ने बड़ा पंचगढ़ निवासी पवन कुमार पासवान को किया गिरफ्तार

**साहिबगंज :** जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के बड़ा पंचगढ़ कमरसी में बहुभोज के दौरान गोली मारकर की गई हत्या का पुलिस ने उद्भेदन कर दिया।जानकारी देते हुए सदर एसडीपीओ किशोर तिर्की ने बताया कि कांड के बाद एसपी के निर्देश पर उनके नेतृत्व में एक जांच दल का गठन कर मामले की छानबीन शुरू की गई।इसी दौरान पुलिस ने बड़ा पंचगढ़ निवासी पवन कुमार पासवान को गिरफ्तार कर एक नाबालिग को विरुद्ध किया गया।आरोपों की निशानदेही पर पुलिस ने घटना में प्रयुक्त देशी कट्टा नाबालिग के घर के पीछे स्थित कुंए से बरामद किया गया। घटना का कारण बताते हुए उन्होंने कहा कि घटना की रात मृतक का उक्त नाबालिग से झगड़ा हुआ था। इसी क्रोध में उसने गोली मारकर मृतक की हत्या कर दी।छापामारी दल में नगर थाना प्रभारी अमित कुमार, जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह, गंगा नदी थाना प्रभारी लव कुमार,पु अ नि अजीत लाकड़ा,संजय दुबे और पुलिस बल शामिल थे।

## 35 दिवसीय जूनियर ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

**साहिबगंज :** भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान साहिबगंज के माध्यम से 35 दिवसीय जूनियर ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण कार्यक्रम और 14 दिवसीय कॉस्टयूम ज्वैलरी उद्यमी प्रशिक्षण का समापन सभी प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र देकर उनके उज्जवल भविष्य का कामना किया।मौके पर जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक सुधीर कुमार आसेर्टी प्रशिक्षक राजहंस कुमार,उपेन्द्र गोप डोमन ट्रेनर सीता बनपलासी सरकारआलम खान उपस्थित थे.मौके पर प्रशिक्षु सीमा खातून पूजा।सुरजहान जूली छोटी पूनम,दया सोनम भारती, गुड़िया इत्यादि प्रशिक्षु उपस्थित थे मौके पर यह प्रशिक्षण कार्यक्रम में झारखंड आजीविका सखी मंडल साहिबगंज के नौ प्रखंडों से आए हुए कुल 55 प्रशिक्षुओ ने भाग लिया इस कार्यक्रम में प्रशिक्षुओं को लाह की चूरी के विभिन्न डिजाइनो को बताया गया साथ ही ब्यूटी पार्लर के प्रशिक्षुओं को आइब्रो, ब्लीच, फेशियल, ब्राइडल के साथ साथ एचडी मेकअप करने सिखाया गया इस कार्यक्रम को सफल बनाने में आसेर्टी के सभी कर्मचारी जिसमें आकाश कुमार,रंजीत कुमार,सुरेन्द्र मुर्मू,नीरज शर्मा,तौफीक आलम ने सहयोग प्रदान किए।

# क्रॉस कन्ट्री मैराथन दौड़ में युवाओं ने लिया हिस्सा

संवाददाता

**साहिबगंज/बरहरवा :** नगर पंचायत क्षेत्र अंर्तगत नया टोला युवा समिति द्वारा आयोजित क्रॉस कंट्री मैराथन दौड़ सीजन 4 का सफल आयोजन किया गया जिसमें संथाल परगना के कल 6 जिलों की कुल 129 महिला प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया सर्वप्रथम प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में साहिबगंज जिला के कांग्रेस अध्यक्ष सब विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने महत्वपूर्ण शब्दों के साथ सभी प्रतिभागियों का मनोबल बढ़ाया प्रतियोगिता की शुरूआत राष्ट्रगान की गूंज से शुरू हुई। इस दौरान अतिथि के रूप में कांग्रेस जिला अध्यक्ष का विधायक प्रतिनिधि बरकत खान सहकारिता विभाग के झारखंड प्रदेश उपाध्यक्ष शाहनवाज नासिर प्रखंड महासचिव निताय सरकार प्लस टू उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक अभिनव शास्त्री नगर पंचायत उपाध्यक्ष लोकेश कुशवाहा भाजपा नेत्री ललित पासवान दीनानाथ शाह आदि मौजूद रहे उपस्थित मुख्य अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर प्रतियोगिता की शुरूआत की उसके बाद मुख्य अतिथि यों ने हरी

झंडी दिखाकर प्रतिभागियों को रवाना किया जिसमें सभी धावक नया टोला से होकर हतपाड़ा होते हुए बंगाली पड़ा कहारपाड़ा सब्जी मंडी स्टेशन चौक पटना चौक कुशवाहा टोला होते हुए पुणे नया टोला में प्रतियोगिता को संपन्न किया आयोजित प्रतियोगिता में प्रथम स्थान काजल कुमारी गोड्डा को विधायक प्रतिनिधि बरकत खान अभिनव शास्त्री और दीनानाथ साहनी विजेता राशि 21 000 नगद एवं ट्रॉफी के साथ सम्मानित किया दूसरे स्थान के विजेता दुमका निवासी शीलवंती सोरेन को ललित पासवान शाहनवाज नासिर एवं लोकेश कुशवाहा ने विजेता राशि 15000 नगद एवं ट्रॉफी के साथ सम्मानित किया साथ ही तीसरे स्थान पर देवघर निवासी मनाली सिंधिया को गौतम दास कालेश्वर झा जितेंद्र पोद्दार ने विजेता राशि 10000 नगद एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।प्रतिभागियों में चौथे से 13 स्थान पर क्रमशः रेशम कुमारी सोनी हसदा दिव्या मुर्मू रोशनी कुमारी छोटी कुमारी मंजू मरांडी रेशमा कुमारी चूंकि कुमारी पुतुल हेमराम संतरी हेंब्रम को सांत्वना पुरस्कार के साथ सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में ग्रामीण अतिथि के रूप में नया टोला की ग्रामीण बुजुर्ग श्री कामेश्वर झा जीतेंद्र पोद्दार जानकी ठाकुर सुधीर ठाकुर जगदीश महतो विष्णु देव प्रसाद प्रताप महतो पचकोड़ी महतो आदि शामिल रहे जिनकी कमेटी के सदस्यों ने अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया प्रतियोगिता को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष विजय यादव गौरव झा कौशिक सरकार ऋषभ कुमार अजय यादव मानव दास शहर संतोष मनोज ठाकुर राजीव रंजन कार्तिक स्वर्णकार आदी मौजुद थे।

# आने वाले समय में कोर्ट की सारी प्रक्रिया पेपर लेस हो जाएगी : मास्टर ट्रेनर

संवाददाता

**साहिबगंज :** निकट भविष्य में सिविल कोर्ट की सारी प्रक्रिया पेपर लेस हो जाएगी उक्त बातें रविवार को सिविल कोर्ट साहिबगंज में आयोजित एकदिवसीय ई कोर्ट प्रोग्राम से संबंधित कार्यशाला में मास्टर ट्रेनर अमरेंद्र महंती ने बताया।ज्ञात हो कि झलसा के निदेर्शानुसार फैज 4 का ई कोर्ट प्रोग्राम से संबंधित प्र शिक्षण शिविर अखिल कुमार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार साहिबगंज के मार्गदर्शन में साहिबगंज एवं राजमहल के अधिवक्ता एवं अधिवक्ता लिपिक को ई कोर्ट प्रोग्राम एवं रजिस्ट्रेशन का प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में साहिबगंज के मास्टर ट्रेनर अमरेंद्र कुमार मोहंती वो संजय कुमार देव एवं राजमहल के मास्टर ट्रेनर विकास चौरसिया के द्वारा शिविर में उपस्थित अधिवक्ता एवं अधिवक्ता लिपिक को ई कोर्ट प्रोग्राम से संबंधित सभी जानकारियां दी गई। मास्टर ट्रेनर अमरेंद्र मोहंती ,विकास चौरसिया एवं संजय देव के द्वारा अपने अलग-अलग वक्तव्य में बताया गया कि आने वाले निकट भविष्य में कोर्ट सिविल कोर्ट की सारी प्रक्रिया पेपर ली हो जाएगी ।इस बाबत सरकार के द्वारा ई कोर्ट प्रोग्राम शुरू किया गया है, सभी अधिवक्ता एवं अधिवक्ता लिपिक को अपने-अपने मोबाइल फोन में ई कोर्ट प्रोग्राम का रजिस्ट्रेशन करना होगा जिसमें कोर्ट में केस फाइलिंग से लेकर गवाही, बेल की सुनवाई , फाइनलआगुर्मेंट ई कोर्ट के माध्यम से किया जाएगा। मास्टर ट्रेनर ने अपने वक्तव्य में आगे बताया कि डिजिटल प्रक्रिया से काम तेजी से होगा और लोगों को जल्दी न्याय मिलेगा। डिजिटल तंत्र से पारदर्शिता आती है और फाइलों के साथ छेड़छाड़ की संभावना कम हो जाती है। पेपरलेस प्रक्रिया से कागज का कम इस्तेमाल होगा, जिससे हमारा पेड़ पौधा संरक्षित होगी। उक्त प्रशिक्षण शिविर में साहिबगंज सिविल कोर्ट के अधिवक्ता देवनारायण यादव अधिवक्ता संघ के सचिव विजय कर्ण, ,मुनीलाल मंडल, गौतम प्रसाद सिंह, नवीन निर्माण, संयुक्त सचिव रंजीत जैसवाल, ज्योति कुमार ओझा,उत्तम दीप, शिव शंकर सिंह, विवेक कुमार, जितेंद्र मालाकार, मोहम्मद शम्स तबरेज अहमद, प्रदीप पाठक, सुभाष कुमार गुप्ता ,कुमार श्रीकांत, प्रमोद शाह ,बालमुकुंद पंडित ,अर्णव देव कुंदन कुमार अधिवक्ता लिपिक मनोज सिंह, रामचरण विख्यासन एवं राजमहल के अधिवक्ता सुमन कुमार निर्माण अधिवक्ता लिपिक सीकेश मंडल, सुदर्शन मंडल दर्जनों अधिवक्ता एवं अधिवक्ता लिपिक उपस्थित थे।

# उपायुक्त ने की सेवा का अधिकार सप्ताह की समीक्षा

देवघर : जिले के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में रविवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जिले में आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम अंतर्गत सेवा का अधिकार सप्ताह के चल रहे कार्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान उन्होंने तीन दिनों में सेवा का अधिकार सप्ताह के माध्यम से किए गए शिकायतों के निष्पादन, ऑनलाइन दर्ज किए गए सभी आवेदनों की संख्या एवं परिसंपत्तियों के वितरण आदि कार्यों के वस्तुस्थिति से अवगत हुए। साथ ही 28 नवंबर तक आयोजित होने वाले शिविर में झारखंड राज्य सेवा देने की गारंटी अधिनियम, 2011 में सूचीबद्ध राज्य सरकार के विभिन्न सेवाओं का अधिकाधिक लाभ शिविर में ही आमजनों को समयबद्ध रूप में उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया।

इसके अलावे बैठक के दौरान उपायुक्त श्री लकड़ा द्वारा आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम अंतर्गत सेवा का अधिकार सप्ताह के माध्यम से आए हुए सभी आवेदनों की ऑनलाइन इंट्री संबंधित कार्यो को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया, ताकि समस्याओं का समाधान व निष्पादन की गति बेहतर बनी रहे। आगे उन्होंने सभी दस प्रखंड के पंचायतों में रोजाना शिविर लगाये जाने की बात से सभी को अवगत कराया, ताकि देवघर जिले के दस प्रखंडो के सभी पंचायत में आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम अंतर्गत सेवा का अधिकार सप्ताह के माध्यम से शिकायतों के निष्पादन, योजनाओं से नए लाभुकों को लाभांवित करना और परिसंपत्तियों का वितरण किया जा सके। आगे उपायुक्त ने सभी प्रखंडो के प्रखंड विकास पदाधिकारी व अंचलाधिकारी को कड़े शब्दों में निर्देशित किया कि कार्यक्रम का व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार करें, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों की समस्याओं का निराकरण किया जा सके। साथ ही कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी के अलावा शिकायतों का निष्पादन के साथ योग्य लाभुकों को जोड़ते हुए सरकारी योजनाओं के लाभ से आच्छादित भी किया जा सके।

वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान उपायुक्त श्री लकड़ा ने कार्यक्रम के दौरान रोजना आने वाले शिकायतों के निष्पादन और उसके डाटा एंट्री को लेकर सभी प्रखंडो के प्रखण्ड विकास पदाधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि कार्यक्रम के दौरान चिन्हित स्थलों पर दो-दो कम्प्यूटर ऑपरेटर और आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित कर ले, ताकि आने वाले आवेदनों को संबंधित शिकायतकर्ता के सामने ऑनलाइन अपलोड किया जा सके। इसके अलावे उपायुक्त ने जिला स्तर से प्रतिनियुक्त विशेष नोडल अधिकारी को एक्टिव होकर कार्य करने का निर्देश दिया, ताकि राज्य सरकार द्वारा जिले के सभी पात्र व्यक्तियों की समस्याओं का निराकरण करते हुए अहर्ता रखने वाले लाभुकों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुगमता से उपलब्ध कराया जा सके।

# नवान्न पर्व नेम निष्ठा से हुआ सम्पन्न

संवाददाता

**वासुकिनाथ :** रविवार मार्गशीर्ष ( अगहन) मास के शुक्लपक्ष तृतीया तिथि को प्राचीन काल से चली आ रही परम्परा के अनुसार बाबा वासुकिनाथ मंदिर में नेम निष्ठा से नवान्न पर्व मनाया गया । नवान्न पर्व के अवसर पर बाबा मंदिर के गर्भगृह में मंदिर के पुजारी पंडित मनीष झा ने बाबा बासुकिनाथ को नया धान से बना चूड़ा ,दही, गुड एवं मिठाई तथा विभिन्न प्रकार का पूजन सामग्री अर्पित कर नवान्न पर्व मनाया । बाबावासुकिनाथ मंदिर के बाहर अग्निदेव को भी नई फसल एवं अन्य सामग्री की आहुति दिया गया इस अवसर पर मंदिर प्रबंधक सुभाष राव,सुरक्षा कर्मी कपिलदेव पंडा,विद्करी फुलेश्वर कुंवर सहित दर्जनों पंडा

पुरोहित मौजूद थे । ज्ञातव्य हो कि नवान्न पर्व को किसानों का पर्व भी कहा जाता है । नये धान पकने पर सबसे पहले नया धान का चूड़ा,अक्षत सबसे पहले बाबा बासुकिनाथ एवं अन्य देवी देवताओं को समर्पित किया जाता है। उसके बाद ही नगर निवासी एवं अन्य दर्जनों गांवों के लोग नवान्न के दिन दही,चूड़ा तरह तरह की मिठाइयां अपने आंगन में अग्निदेव को समर्पित करते हैं। उसके बाद घर के सभी सदस्य नई फैसले बना चूड़ा को दही और मिठाई को ग्रहण करते हैं। दिन को दही चूड़ा और रात को नये चावल का भात ग्रहण करते हैं । नवान्न का तिथि निर्धारण बाबा बासुकिनाथ पर फुलायस रख कर उनके आदेश के अनुसार होता है।

## झारखंड में भी एसआईआर लागू करने के निर्णायक कदम के लिए आभार:संत कुमार घोष

**साहिबगंज :** हिन्दू धर्म रक्षा मंच के के केंद्रीय अध्यक्ष संत कुमार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर आभार प्रकट किया और कहा कि झारखंड के संथाल परगना क्षेत्र के नागरिक होने के नाते गृहमंत्री अमित साह और भारत निर्वाचन आयोग के उस ऐतिहासिक एवं निर्णायक कदम के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया हैं।जिसके अंतर्गत इस क्षेत्र में 'विशेष गहन पुनरीक्षण'की प्रक्रिया को तत्काल लागू किया जाए,संथाल परगना में फर्जी आधार कार्डों के माध्यम से मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर अवैध घुसपैठियों के नाम दर्ज होने की गंभीर अनियमितताएं सामने आती रही है,जिसने न केवल चुनावी शुचिता,बल्कि राष्ट्र की सुरक्षा को भी खतरे में डाल दिया था।श्री घोष ने कहा कि आपका यह त्वरित और साहसिक निर्णय समय की मांग था।

# पूर्व के सर्वे की तुलना में इस बार 10 फीट अधिक भूमि अधिग्रहित की जा रही है : ग्रामीण

संवाददाता

**साहिबगंज :** मुंगेर से फरक्का को जोड़ने वाली फोरलेन सड़क परियोजना के तहत साहिबगंज प्रखंड के डिहारी गांव में भूमि अधिग्रहण को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। ग्रामीणों ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के भू-अर्जन विभाग और अधिकारी पर गंभीर अनियमितता के आरोप लगाते हुए कहा है कि उन्हें उचित मुआवजा नहीं दिया जा रहा है ।भूमि का गलत तरीके से सर्वे कर भुगतान का आश्वासन दिया जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि पूर्व में किए गए सर्वे की तुलना में इस बार 10 फीट अधिक भूमि अधिग्रहित की जा रही है, जिसकी कोई स्पष्ट जानकारी या

संतोषजनक जवाब उन्हें नहीं दिया जा रहा। इस संबंध में डिहारी ग्रामवासियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग एवं सड़क परिवहन मंत्रालय, नई दिल्ली को आवेदन भेजकर जांच और कार्रवाई की मांग भी की है। साथ ही सूचना अधिकार अधिनियम के तहत भी ग्रामीणों ने पूरी प्रक्रिया का विवरण मांगा था। ग्रामीणों का कहना है कि एनएचएआई,से मिले जवाब में साहिबगंज के भूमि संबंधित पदाधिकारी ने गोलमोल उत्तर देकर मामले को टालने का प्रयास किया है। पत्र में यह उल्लेख किया गया है कि ग्राम डिहारी, पंचायत हाजीपुर भिठ्ठा बाढ़ प्रभावित क्षेत्र है और संरचना का मूल्यांकन भवन निर्माण प्रमंडल साहिबगंज की स्वीकृति के बाद मानक संरचना के आधार पर किया गया है। साथ ही यह भी कहा गया है कि संबंधित संरचनाओं की पुनः जांच कर केस टू केस बेसिस पर निर्णय लिया जाएगा। इन तथ्यों से असंतुष्ट ग्रामीणों का कहना है कि लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने का प्रयास किया जा रहा है और उचित मुआवजा देने मे जानबूझकर देरी की जा रही है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे बड़े स्तर पर विरोध करने के लिए बाध्य होंगे।वहीं ग्रामीण सियाराम महतो ने कहा कि हम जमीन देने के लिए तैयार हैं लेकिन पदाधिकारी गलत ढंग से जमीन का नापी किया गया हैं।वहीं ग्रामीण आनंद कुमार सिंह ने कहा कि पदाधिकारी लोग पूरा जमीन घर का मुआवजा सही ढंग से नहीं दे रहे हैं।वहीं स्थानीय लोगों ने राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन से मांग की है कि भूमि अधिग्रहण की पूरी प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच कराई जाए, सही मुआवजा निर्धारित किया जाए तथा परियोजना से प्रभावित परिवारों को न्याय दिलाया जाए।

## 'माना के हम यार नहीं' के शादी स्पेशल में नजर आयेंगे मीका सिंह

**मुंबईः** स्टार प्लस के शो *माना के हम यार नहीं* के शादी स्पेशल एपिसोड में पॉप गायक और रैपर मीका सिंह नजर आएंगे। स्टार प्लस अपने दर्शकों के लिए नया शो माना के हम यार नहीं लेकर आया है। यह शो एक कॉन्ट्रैक्ट मैरिज पर आधारित एक मजबूत और भावुक कहानी दिखाता है। इस शो में मंजीत मक्कड़ कृष्णा के रोल में और दिव्या पाटिल खुशी के रोल में हैं।जैसे ही खुशी और कृष्णा की शादी होती है और वे अपनी शादी का जश्न मनाते हैं, मिका सिंह और स्टार परिवार के दूसरे सदस्य भी इस खुशी में शामिल होंगे। खुशी और कृष्णा की सोच और स्वभाव एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं, और अब जब दोनों की शादी हो गई है, तो यह जश्न और भी बड़ा और मजेदार बन जाता है।

स्टार प्लस हमेशा ऐसा मनोरंजन लाता है जो दर्शकों को स्क्रीन से जोड़े रखता है, और यह शादी का जश्न भी इसका हिस्सा है। नया प्रोमो रिलीज होते ही साफ दिख रहा है कि हर कोई इस शादी को लेकर उत्साहित है, भले ही खुशी और कृष्णा के एक होने पर थोड़ी शक भी है क्योंकि दोनों की सोच और आदतें बिल्कुल अलग हैं। अब जब दोनों की शादी हो गई है, तो उनका सफर देखना और भी मजेदार होगा, खासकर क्योंकि ये सब शादी के सीजन में हो रहा है। माना के हम यार नहीं, एक घंटे का परिवार स्पेशल एपिसोड, 25 और 26 नवंबर को शाम 6:30 से 7:30 बजे, सिर्फ स्टार प्लस पर प्रसारित होगा।

# स्मृति मंधाना के पिता के बाद अब उनके मंगेतर पलाश मुच्छल की भी बिगड़ी तबीयत, ले जाया गया हॉस्पिटल

**नई दिल्ली :** भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान और स्टार स्मृति मंधाना-पलाश मुच्छल की शादी टल गई है। स्मृति के पिता श्रीनिवास मंधाना के हार्ट अटैक जैसे लक्षण दिखने के बाद शादी को स्थगित करने का फैसला लिया गया। स्मृति के मैनेजर ने बताया कि जैसे ही उनके पिता को हार्ट अटैक के इन लक्षणों का पता चला, एक एंबुलेंस को शादी स्थल पर भेजा गया और स्मृति के पिता को तुरंत

नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। इस मेडिकल इमरजेंसी के कारण शादी की रस्मों को रोकना पड़ा और स्मृति ने अपने पिता की अनुपस्थिति में शादी की रस्में जारी रखने से इनकार कर दिया। अब यह जानकारी सामने आई है कि स्मृति के मंगेतर पलाश मुच्छल की तबीयत भी खराब हो गई और उन्हें भी अस्पताल ले जाया गया।

एक रिपोर्ट के अनुसार, पलाश मुच्छल को वायरल संक्रमण और एसिडिटी बढ़ने की वजह से निजी अस्पताल ले जाया गया। उनकी स्थिति ठीक है। इलाज के बाद पलाश अब अस्पताल से होटल के लिए रवाना हो चुके हैं। वहीं स्मृति मंधाना के परिवार के डॉ. नमन शाह ने कहा कि उनकी (स्मृति के पिता) स्वास्थ्य स्थिति की निगरानी की जा रही है। अगर श्रीनिवास मंधाना की तबीयत में सुधार होता है, तो उन्हें आज ही अस्पताल से छुट्टी मिल सकती है।

## बेहद संवेदनशील और अलग तरह की फिल्म है वध 2

**बॉलीवुड** में अपने कॉमिक अभिनय के लिये मशहूर संजय मिश्रा का कहना है कि उनकी फिल्म वध 2 बहुत संवेदनशील और अलग तरह की फिल्म है। वध की सफलता और उसे मिली खूब तारीफों के बाद अब उसका सबसे ज्यादा इंतजार किया गया स्पिरिचुअल सीक्वल वध 2, जिसे जसपाल सिंह संधू ने डायरेक्ट और लिखा है, वह गोवा में होने वाले 56वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया (इफ्फी) के खास गाला प्रीमियर सेक्शन में अपनी शानदार शुरूआत करने जा रहा है। संजय मिश्रा और नीना गुप्ता जैसे मजबूत कलाकारों वाली यह दिलचस्प सीक्वल एक बिल्कुल नई कहानी लेकर आ रही है, जिसमें नए किरदार और मुश्किल हालात हैं, लेकिन वही भावनात्मक गहराई भी है, जिसने वध को खास और याद रखने लायक बनाया था। वर्ष 2023 में वध को इफ्फी गोवा के इंडियन पैनोरमा में दिखाया गया था, जहां मेकर्स ने आधिकारिक रूप से वध

2 का ऐलान किया था।

अब 2025 में वध 2 इफ्फी गोवा में गाला प्रीमियर सेक्शन के तहत रिलीज होने जा रही है, तो यह सफर पूरा हो गया जैसा लगता है, क्योंकि वही जगह है, जहां इसकी अगली कहानी पहली बार सामने आई थी। संजय मिश्रा, जसपाल सिंह संधू और निमार्ता 56वें इफ्फी के रेड कार्पेट पर बेहद शानदार अंदाज में पहुंचे, जहां वे अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म वध 2 के गाला प्रीमियर के लिए आए थे। वध (2022) में अपनी बेहतरीन एक्टिंग के लिए पहचाने जाने वाले ये सभी कैमरों के सामने मुस्कुराते हुए पोज देते दिखे, और उनकी यही खुशी सीक्वल को लेकर दर्शकों के बीच बने उत्साह को साफ दिखा रही थी। रेड कार्पेट पर जब संजय मिश्रा से पूछा गया कि आप धामाल, गोलमाल जैसी कई फिल्मों के सीक्वल का हिस्सा रह चुके हैं, लेकिन वध 2 पहली ऐसी फिल्म है, जिसमें आप लीड रोल में हैं और उसका सीक्वल बन रहा है, इस पर आपको कैसा लग रहा है। इस पर उन्होंने जवाब दिया कि यह एक बहुत खूबसूरत सीक्वल है। मेरा मानना है कि यह बहुत संवेदनशील और अलग तरह की फिल्म है। अच्छा लगता है, जब दूसरे लोग भी आपके काम को देखना चाहते हैं। लव रंजन और अंकुर गर्ग द्वारा बनाई गई वध 2 एक तरह से अपने उसी सफर पर वापस लौट रही है, क्योंकि वध की पहली घोषणा भी इफ्फी में ही 2023 में हुई थी। रेड कार्पेट पर मिश्रा, गुप्ता, संधू और गर्ग ने अपने फैंस और सपोर्टर्स का दिल से शुक्रिया अदा किया और पुराने दिनों को याद करते हुए बताया कि कैसे पहली फिल्म से लेकर इस बड़े प्रीमियर तक का सफर उनके लिए खास रहा है। जसपाल सिंह संधू द्वारा लिखी और निर्देशित वध 2, छह फरवरी 2026 को थियेटरों में रिलीज होने जा रही है। इस सीक्वल में संजय मिश्रा और नीना गुप्ता एक बार फिर अपने किरदार निभा रहे हैं।

## अक्षय कुमार ने 2025 में 4 लगातार हिट्स के साथ कमाए 500 करोड़ से भी ज्यादा

**2025** अक्षय कुमार के लिए अब तक का सबसे सफल साल साबित हुआ है, क्योंकि उन्होंने एक नहीं, दो नहीं, बल्कि लगातार चार हिट फिल्में दी हैं एक ऐसा क्लीन स्वीप जिसने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर लगभग 592.79 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की। इस साल बड़े पैमाने और धमाकेदार फिल्मों की भरमार थी, लेकिन अक्षय आए, डिलीवर किया, और फिर साबित किया कि वे क्यों बॉलीवुड के सबसे बहुमुखी और भरोसेमंद सितारों में से एक हैं।

**स्काई फोर्सः** अक्षय ने साल की शुरूआत स्काई फोर्स से की एक एड्रेनालिन से भरी देशभक्ति एक्शन फिल्म जिसने भावनाओं, देशभक्ति और वीरता का बेहतरीन संतुलन दिखाया। देशभक्ति किरदारों में अक्षय की फिटनेस को एक बार फिर सराहा गया, और उनकी दमदार परफॉर्मेंस ने फिल्म की कमाई में भी बड़ा योगदान दिया। भारत में इस फिल्म ने लगभग 155.18 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया।

**केसरी चैप्टर 2:** अप्रैल में अक्षय कुमार ने केसरी की विरासत को आगे बढ़ाते हुए केसरी चैप्टर 2 लेकर आए। यह फिल्म जलियांवाला बाग की अनकही कहानी को बयान करती है और एक तीव्र ऐतिहासिक कोर्टरूम ड्रामा पेश करती है। फिल्म ने आसानी से 100 करोड़ क्लब में प्रवेश किया और लगभग 111.05 करोड़ रुपये की कमाई की।

**हाउसफुल 5:** देशभक्ति और कोर्टरूम ड्रामा के बाद अक्षय हंसी और पागलपन लेकर लौटे हाउसफुल 5 के साथ। उन्होंने एक बार फिर अपनी बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग, स्लैपस्टिक, सिचुएशनल कन्फ्यूजन और शार्प डायलॉग डिलीवरी से साबित कर दिया कि हाउसफुल फ्रेंचाइज हमेशा से उनका मैदान रहा है। कॉमेडी अक्षय की होम ग्राउंड है, और हाउसफुल 5 की बॉक्स ऑफिस कमाई इसका सबूत है लगभग 191.33 करोड़ रुपये।

**जॉली एलएलबी 3:** इसके बाद अक्षय कोर्टरूम में लौटे जॉली एलएलबी 3 के साथ। उन्होंने सामाजिक व्यंग्य, हास्य और बुद्धि की लड़ाई से भरपूर मनोरंजन पैक किया, जिसने दर्शकों को खूब हंसाया। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर लगातार कमाई जारी रखी और लगभग 135.23 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया।

## 26/11, पहलगाम और दिल्ली ब्लास्ट शहीदों को शाहरुख खान ने दी श्रद्धांजलि

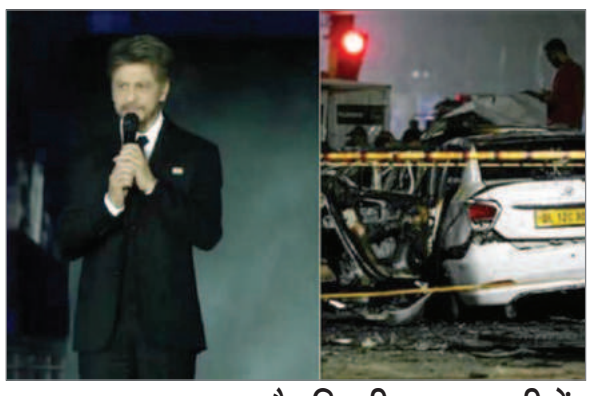

**मुंबई** के गेटवे में आयोजित ग्लोबल पीस ऑनर्स 2025 कार्यक्रम में बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने 26/11 मुंबई हमले, पहलगाम आतंकवादी घटना और हाल ही में दिल्ली ब्लास्ट में शहीद हुए लोगों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस समारोह में हमले के पीड़ितों के परिवार, जीवित बचे लोग, राष्ट्रीय नेता, गणमान्य व्यक्ति और कलाकार एकत्रित हुए। इस कार्यक्रम का आयोजन दिव्याज फाउंडेशन ने किया था और इसका नेतृत्व अमृता फडनवीस ने संभाला।

शाहरुख ने अपने संबोधन में सुरक्षा बलों और हमलों से प्रभावित नागरिकों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा, मेरी विनम्र श्रद्धांजलि उन निर्दोष लोगों को, जिन्होंने 26/11, पहलगाम आतंकवादी हमला और हाल के दिल्ली ब्लास्ट में अपनी जान गंवाई। साथ ही 'उन बहादुर सुरक्षा कर्मियों को मेरा सम्मान, जो इन हमलों में शहीद हुए'

मानवता और एकता का दिया संदेशः शाहरुख ने एकता और जिम्मेदारी पर जोर देते हुए कहा कि हमें हमेशा मानवता के रास्ते पर चलना चाहिए और भारतीय सैनिकों के बलिदान का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने चार पंक्तियों का पाठ भी साझा किया, जिसमें उन्होंने जवानों की बहादुरी और उनके योगदान की महिमा बयान की। उन्होंने कहा, 'जब आपसे कोई पूछे कि आप क्या करते हैं, गर्व से कहें कि मैं देश की रक्षा करता हूं। जब वे पूछें कि आप कितना कमाते हैं, मुस्कराकर कहें कि मैं 1.4 अरब लोगों की दुआएं कमाता हूं। और अगर कोई फिर पूछे, क्या आपको कभी डर नहीं लगता? आंखों में आंखें डालकर कहें, जो हम पर हमला करते हैं, वे उसका एहसास करते हैं।'

शाहरुख ने आगे कहा कि हमें जात-पात और भेदभाव भूलकर मानवता के रास्ते पर चलना चाहिए, ताकि हमारे देश के शहीदों का बलिदान व्यर्थ न जाए। उन्होंने कहा, अगर हमारे बीच शांति होगी, तो भारत को कोई हिला नहीं सकता, कोई भारत को हरा नहीं सकता और हमारी भारतीय आत्मा को कोई तोड़ नहीं सकता।' यह कार्यक्रम मुंबई के गेटवे में आयोजित हुआ और इसमें शाहरुख खान के अलावा नीता अंबानी, सीएम देवेंद्र फडनवीस, अमृता फडनवीस, टाइगर श्रॉफ, अक्षंषा मल्होत्रा, कृपाशंकर सिंह, मनीषा कोइराला, विक्रांत मेस्सी और अर्चना कोचर समेत कई अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

## टेस्ट क्रिकेट को मजाक बना रखा है बीच मैच में कुलदीप पर भडके पंत

**गुवाहाटीः** गुवाहटी टेस्ट के दूसरे दिन कप्तान ऋषभ पंत स्पिनर कुलदीप यादव पर भडकते हुए नजर आए। दरअसल, पंत के गुस्से की वजह से अंपायर द्वारा मिली दो वॉर्निंग थी। दो बार वॉर्निंग मिलने के बाद भी अगर फील्डिंग टीम नहीं सुधरती, तो उन पर पांच रन की पेनल्टी लगती।

जब कुलदीप फिर से ओवर शुरू करने में देरी करने लगे तो पंत भडक गए। उन्होंने कहा, यार 30 सेकंड का टाइमर है, घर पर खेल रहे हो क्या? पूरा एक ओवर थोड़ी न चाहिए, मजाक बना रखा है टेस्ट क्रिकेट को।

## लक्ष्य ने जीता ऑस्ट्रेलियन ओपन, मात्र 38 मिनट में फाइनल फतह, जापान के युशी तनाका को हराया

**एजेंसी/ सिडनीः** भारतीय शटलर लक्ष्य सेन ने रविवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 का खिताब जीत लिया। फाइनल में उन्होंने जापान के युशी तनाका को 21-15, 21-11 से हराया। सिडनी के स्पोर्ट्स सेंटर में लक्ष्य ने मुकाबला सिर्फ 38 मिनट में अपने नाम कर लिया और जीत के बाद कानों पर अंगुलियां रखकर जश्न मनाया। पेरिस ओलंपक में चौथा स्थान हासिल करने के बाद वह खराब फॉर्म से जूझ रहे थे, लेकिन इस टूर्नामेंट में उन्होंने शानदार वापसी की। तनाका के खिलाफ लक्ष्य ने बेहतरीन कंट्रोल, सटीक प्लेसमेंट और साफ-सुथरा खेल दिखाया और मैच को सीधे गेम में समाप्त किया। लक्ष्य ने शुरूआत से ही लय पकड़ ली और 6-3 की बढ़त बनाई। तनाका लगातार नेट, बैकलाइन और ओवरहिट शॉट्स की गलतियां करते रहे। ब्रेक तक लक्ष्य 11-8 से आगे थे। ब्रेक के बाद लक्ष्य का खेल और मजबूत हुआ। उनके बैकहैंड स्मैश और क्रॉस-कोर्ट विनर ने उन्हें 17-13 की बढ़त दिलाई।

तनाका की गलतियों के चलते लक्ष्य को पांच गेम प्वाइंट मिले और उन्होंने पहला ही मौका भुना लिया। दूसरा गेम एकतरफा रहा। लक्ष्य शुरूआत में ही 8-4 से आगे निकले। फिर लक्ष्य ने नेट पर एक अहम रैली जीतकर स्कोर 13-6 किया, फिर लगातार स्मैश लगाते हुए 19-8 की बढ़त हासिल की।

उनके पास 10 मैच प्वाइंट आए। पहला मौका चूकने के बाद उन्होंने अगले ही प्वॉइंट पर तेज क्रॉस-कोर्ट शॉट से मैच और खिताब दोनों जीत लिए।

**2024 के बाद पहला बड़ा खिताबः** वर्ल्ड नंबर-14 लक्ष्य ने आखिरी बार 2024 में लखनऊ में सैयद मोदी इंटरनेशनल (सुपर 300) जीता था। उसके बाद यह उनका पहला बड़ा सुपर 500 टाइटल है। इस साल सितंबर में वे हांगकांग सुपर 500 के फाइनल तक भी पहुंचे थे, लेकिन खिताब नहीं जीत पाए थे।

**तनाका की गलतियों के चलते लक्ष्य को पांच गेम प्वाइंट मिले और उन्होंने पहला ही मौका भुना लिया। दूसरा गेम एकतरफा रहा। लक्ष्य शुरूआत में ही 8-4 से आगे निकले। फिर लक्ष्य ने नेट पर एक अहम रैली जीतकर स्कोर 13-6 किया, फिर लगातार स्मैश लगाते हुए 19-8 की बढ़त हासिल की। उनके पास 10 मैच प्वाइंट आए। पहला मौका चूकने के बाद उन्होंने अगले ही प्वॉइंट पर तेज क्रॉस-कोर्ट शॉट से मैच और खिताब दोनों जीत लिए।**

## शादियों में नाचकर खानदान की इज्जत नहीं गंवाना चाहते रणबीर कपूर

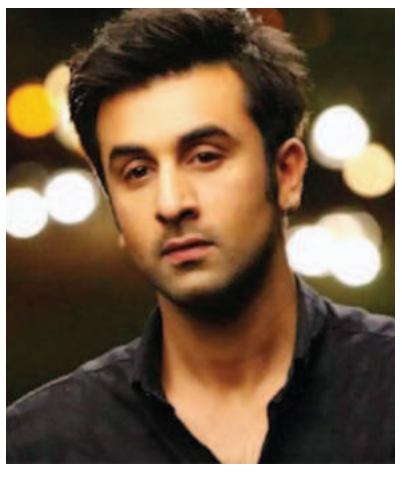

**फिल्मी** गलियारों में सितारे बड़ी-बड़ी हस्तियों के शादी समारोह या फिर फंक्शन में परफॉर्मेंस देते हैं। कुछ सितारे होस्टिंग भी करते हैं। मगर रणबीर कपूर उन सितारों में से एक हैं, जो शादियों में डांस करने से बचते हैं। जी हां, रणबीर कभी भी किसी दूसरे के शादी समारोह में पैसे लेकर डांस नहीं करते हैं। एक बार खुद अभिनेता ने इसके पीछे की वजह बताई थी और कहा था कि उनके लिए कभी पैसे मायने नहीं रखता है। एक इंटरव्यू में रणबीर ने कहा था, मैं ऐसा इसलिए नहीं करूंगा, क्योंकि मैं जिस परिवार से आता हूं, उस परिवार की वजह से मैं ऐसा नहीं करूंगा।

फिर भी मैं उन लोगों के खिलाफ नहीं हूं, जो ऐसा करते हैं रणबीर ने आगे कहा था, डांस करना गलत नहीं है, लेकिन पैसा मेरा मकसद नहीं है। मैं अरबों-खरबों कमाना नहीं चाहता। मैं एक एक्टर हूं। मेरा मकसद अलग है। मेरे पैशन अलग हैं। मैं शादी में डांस करके अपनी इज्जत नहीं खोना चाहता, जहां लोग शराब का गिलास लेकर खड़े हों और बुरे कमेंट्स करते हों। यह मेरी पर्सनल च्वाइस है।

## कार्तिक आर्यन की जबरदस्त बॉडी बनी चर्चा का विषय

**बॉलीवुड** स्टार कार्तिक आर्यन की जबरदस्त बॉडी इन दिनों लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गई है। कार्तिक आर्यन की बहुप्रतीक्षित फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी का धमाकेदार टीजर आते ही इंटरनेट पर तहलका मच गया है, जिसमें रे के किरदार में नजर आ रहे कार्तिक आर्यन काफी फिट, स्ट्रॉन्ग और ट्रांसफॉर्म्ड अवतार में हैं। चीजल्ड बॉडी, चौड़े कंधे, और परफेक्टली डिफाइंड सिक्स-पैक एब्स के साथ कार्तिक ने यह साबित कर दिया है कि वह सिर्फ रोमांटिक स्टार या दमदार परफॉर्मर ही नहीं, बल्कि अपनी जनरेशन के सबसे फिट एक्टर्स में से एक हैं। हालांकि कार्तिक की यह फिजिकल जर्नी बेहद प्रेरणादायक रही है, जिसमें उनके शुरूआती चॉकलेट-बॉय इमेज से लेकर आज की रग्ड एवं रिप्ड पर्सनालिटी शामिल है। इन हालिया वर्षों में उन्होंने दिखा दिया कि डिसिप्लिन, कॉन्सिस्टेंसी और कठिन मेहनत से न सिर्फ शरीर को, बल्कि पूरे ऑन-स्क्रीन पसोर्ना को आप बदल सकते हैं। फिलहाल टीजर में कार्तिक के इस परफेक्ट बॉडी को देखकर उनके फैंस सोशल मीडिया पर उनकी तारीफ कर रहे हैं।

टीजर में कार्तिक की स्क्रीन प्रेजेंस काफी आकर्षक नजर आ रही है, इसके साथ ही वे काफी फोकस्ड लग रहे हैं। उनका यह श्रेडेड लुक सिर्फ दिखावे के लिए नहीं है, बल्कि यह उनकी बढ़ती सिनेमैटिक रेंज और कमिटमेंट को दशार्ता है।

गौरतलब है कि चंदू चैंपियन के लिए उनकी एक्सट्रीम फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन हो या आगामी फिल्मों के लिए एथलेटिक ट्रेनिंग हो, कार्तिक लगातार खुद को और बेहतर करते जा रहे हैं। वह हर फिल्म के लिए एक्स्ट्रा मेहनत, समय और समर्पण देते हैं, और यही वजह है कि वह आज इंडस्ट्री के सबसे भरोसेमंद और बहुमुखी अभिनेताओं में शामिल हो चुके हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के सिंध भारत का हिस्सा वाले बयान पर बोला पाकिस्तान

## ये विस्तारवादी हिंदुत्व वाली सोच

**नई दिल्ली :** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के हालिया बयान ने भारत-पाकिस्तान के बीच राजनीतिक तनाव को एक बार फिर बढ़ा दिया है। राजनाथ सिंह ने सिंधी समाज के एक कार्यक्रम में कहा था कि भले ही वर्तमान समय में सिंध भारत का हिस्सा नहीं है, लेकिन सभ्यता और सांस्कृतिक दृष्टि से सिंध हमेशा भारत का अभिन्न अंग रहा है और भविष्य में इसके दोबारा भारत में शामिल होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता।

राजनाथ सिंह के इस बयान पर पाकिस्तान ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारतीय रक्षा मंत्री के बयान खतरनाक, उकसाने वाले और हिंदुत्व की विस्तारवादी सोच को दर्शाते हैं। मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि पाकिस्तान, सिंध प्रांत को लेकर दिए गए भारतीय मंत्री के इन बयानों की कड़ी निंदा करता है।

पाकिस्तान ने आरोप लगाया कि ऐसे वक्तव्य क्षेत्रीय शांति के लिए चुनौती हैं और अंतर्राष्ट्रीय कानून, मान्यता प्राप्त सीमाओं की अखंडता तथा राष्ट्रों की संप्रभुता का उल्लंघन करते हैं। पाकिस्तान ने भारत को पूर्वोत्तर संबंधी मुद्दों की भी याद दिलाते हुए कहा कि भारत को अपने अंदरूनी मामलों पर ध्यान देने की जरूरत है, न कि पड़ोसी देशों की सीमाओं पर बयानबाजी करने की।

जी-20 में बोले पीएम मोदी

# एआई के गलत इस्तेमाल पर रोक जरूरी अपराध-आतंकवाद में इसका इस्तेमाल खतरनाक

**जोहान्सबर्ग/एजेंसी:** जी-20 सम्मिट के तीसरे सत्र के दौरान रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनिया को एआई के गलत इस्तेमाल को लेकर चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि इससे दुनिया को बहुत बड़ा नुकसान हो सकता है, इसलिए सभी देशों को मिलकर इसके लिए मजबूत नियम-कानून बनाने चाहिए। पीएम मोदी ने कहा कि एआई पर एक ग्लोबल कॉम्पैक्ट (यानी अंतरराष्ट्रीय समझौता) होना जरूरी है। इसमें तीन चीजें सबसे जरूरी होंगी। निगरानी, सुरक्षा और पारदर्शिता। उन्होंने खास तौर पर चेतावनी दी कि डीपफेक वीडियो-ऑडियो,

अपराध और आतंकवाद मे एआई का इस्तेमाल बहुत खतरनाक है। पीएम मोदी ने कहा कि अगर अभी कदम नहीं उठाए गए, तो एआई का गलत इस्तेमाल समाज के लिए बड़ी समस्या बन सकता है। इसलिए समय रहते पूरी दुनिया को एकजुट होकर कार्रवाई करनी चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को जी-20 सम्मिट के दौरान दुनिया के 20 ग्लोबल लीडर्स से मुलाकात की। इनमें इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों समेत कई बड़े अंतरराष्ट्रीय नेता शामिल रहे।

प्रधानमंत्री ने रविवार को जी-20 शिखर सम्मेलन से इतर साउथ अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की। पीएम मोदी ने एक्स पर बताया कि कि जोहान्सबर्ग में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति रामफोसा के साथ शानदार बैठक हुई। हमने भारत-दक्षिण अफ्रीका साझेदारी के सभी पहलुओं की समीक्षा की, विशेष रूप से ट्रेड, कल्चर, इंवेस्टमेंट और टेक्नोलॉजी, स्किल डिवेलपमेंट, रेयर अर्थ मेटल में सहयोग में विविधता लाने पर। इसके साथ ही मोदी ने जी-20 की सफल अध्यक्षता के लिए राष्ट्रपति रामफोसा को बधाई दी।

# भारत-चीन सीमा की रक्षा करेंगी महिलाएं

एलएसी पर निगरानी बढ़ाने को आईटीबीपी सिर्फ महिलाओं की दस बॉर्डर चौकियां बनाएगी

**नई दिल्ली:** केंद्र सरकार अब भारत-चीन एलएसी पर निगरानी बढ़ाने के लिए इंडो-तिब्बत बॉर्डर पुलिस फोर्स (आईटीबीपी) के जवानों की तैनाती बढ़ा रही है और इसमें महिलाओं की संख्या भी बढ़ाई जा रही है। आईटीबीपी ही 3,488 किलोमीटर लंबी भारत-चीन एलएसी की रखवाली करती है। अब आईटीबीपी के डीजी ने ऐलान किया है कि भारत-चीन एलएसी पर 10 महिला बॉर्डर चौकी बनाई जाएंगी। आईटीबीपी ने लद्दाख में 2020 में सीमा पर सैन्य झड़प के बाद फॉरवर्डाइजेशन योजना बनाई है, इसके तहत अब तक भारत के उत्तरी और पूर्वी हिस्से में आईटीबीपी अपनी 215 बॉर्डर चौकियों को भी आगे बढ़ाएगी। डीजी ने कहा कि फोर्स आने वाले समय में भारत-चीन लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल पर ऐसे 41 और फॉरवर्ड बेस बनाएगी, ताकि सुरक्षा और समन्वय को मजबूत किया जा सके। महिला लड़ाकों की भूमिका बढ़ाने के हिस्से के तौर पर, आईटीबीपी लद्दाख के लुकुंग और हिमाचल प्रदेश के थांगी में दो पूरी तरह से महिला बॉर्डर चौकी बनाने की प्रक्रिया में है। डीजी ने कहा कि इस मोर्चे पर आठ और पूरी तरह से महिला बॉर्डर चौकी चालू किए जाएंगे। आईटीबीपी चीफ ने कहा कि फोर्स के सैनिकों के लिए पांच नए स्किलिंग मॉड्यूल लांच किए गए हैं, जिनमें माउंटेन वॉरफेयर और टैक्टिकल सर्वाइवल जैसे सब्जेक्ट शामिल हैं। सात नई बटालियन मिलीं: इंडो-तिब्बत बॉर्डर पुलिस के डीजी प्रवीण कुमार ने कहा कि हमने फॉरवर्डाइजेशन प्लान पर काम किया है और इसके नतीजे में फॉरवर्ड-डिप्लॉयड बॉर्डर चौकी की संख्या अब 180 के मुकाबले 215 हो गई है। डीजी ने कहा कि आईटीबीपी को सात नई बटालियन की मंजूरी और एक सेक्टर हेडक्वार्टर बनाने से योजना मजबूत हुई है। केंद्र ने 2023 में आईटीबीपी के लिए सात और बटालियन और लगभग 9,400 जवानों वाला एक सेक्टर ऑफिस मंजूर किया था।

दिल्ली बम धमाके की जांच में एक और खुलासा

## सीरिया-अफगानिस्तान जाना चाहते थे टेरर माड्यूल के डॉक्टर

**नई दिल्ली:** लाल किला के पास हुए बम धमाके की जांच जैसे-जैसे अपने मुकाम की ओर पहुंच रही है वैसे-वैसे चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। जांच से जुड़े अधिकारियों की मानें तो व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल के डॉक्टरों ने सीमा पार बैठे आतंकी आकाओं से सीरिया या अफगानिस्तान जाकर वहां के आतंकी संगठनों में शामिल होने की चाहत जताई थी। हालांकि सीमा पार के हैंडलरों ने टेरर मॉड्यूल के डॉक्टरों को भारत में ही रह कर धमाकों को अंजाम देने का निर्देश दिया था। जांच से जुड़े सूत्रों ने बताया कि आतंकी मॉड्यूल में भर्ती किए गए डॉक्टरों डॉ. मुजम्मिल गनई, डॉ. अदील राठेर, डॉ. मुजफ्फर राठेर और डॉ. उमर उन नबी को सबसे पहले टेलीग्राम के निजी ग्रुप में जोड़ा गया था। इस ग्रुप से उनको बरगलाना शुरू किया गया था। सूत्र बताते हैं कि भर्ती किए गए डॉक्टरों ने शुरू में सीरिया या अफगानिस्तान जैसे मुल्कों में जाकर वहां के आतंकी समूहों में शामिल होने की इच्छा जताई थी। हालांकि सीमा पार बैठे उनके उनके आकाओं ने उन्हें भारत में ही रह कर भीतरी इलाकों में बम धमाकों को अंजाम देने के निर्देश दिए थे। जांच से पता चला कि हाल ही में जांच एजेंसियों के रडार पर आए व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल के मुख्य संचालक उकासा, फैजान और हाशमी हैं। तीनों आतंकी सीमा पार से भारत में आतंकी गतिविधियों को चला रहे हैं। अकसर इनके नाम जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी नेटवर्क से जुड़े मामलों में सामने आते हैं। ब्रता दें कि सबसे पहले जम्मू-कश्मीर पुलिस पोस्टरों की जांच को लेकर ऐक्टिव हुई थी। जांच पड़ताल के दौरान जम्मू-कश्मीर पुलिस ने यूपी और हरियाणा पुलिस के साथ संपर्क साधा था। फिर सफेद पोश आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ हुआ था। पुलिस टीमें फरीदाबाद पहुंची जहां से 2900 किलोग्राम विस्फोटक बरामद हुआ था। बाद में अल फलाह यूनिवर्सिटी के डॉक्टरों के नाम सामने आए थे। साल 2018 के बाद से आतंकी समूहों की रणनीति में बदलाव देखने को मिला है। अब आतंकवादी समूह डिजिटल मंचों के जरिए लोगों की भर्ती करने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि पुख्ता सुरक्षा उपायों के कारण प्रत्यक्ष और आमने-सामने की बातचीत मुश्किल होती जा रही है। पहले कट्टरपंथी युवाओं की पहचान, फिर ग्रुप से जोड़ेः सूत्रों के मुताबिक, सीमा पार बैठे हैंडलर सोशल मीडिया पर कट्टरपंथी युवाओं की पहचान करते हैं।

## शादियों में डीजे बजाने पर रोक, ट्रैफिक जाम होने पर शादी हॉल होंगे सील

**बैतूलः** मध्यप्रदेश के बैतूल जिले में विवाह और अन्य आयोजनों में ध्वनि विस्तारक यंत्रों के अनियंत्रित उपयोग पर प्रशासन ने कड़ाई शुरू कर दी है। प्रभारी कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अक्षत जैन ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत नए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। इसके तहत शादियों में डीजे बजाना प्रतिबंधित रहेगा, जबकि रात 10 बजे के बाद किसी भी प्रकार के लाउडस्पीकर के उपयोग पर पाबंदी होगी।

चल समारोह के दौरान यातायात बाधित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। वहीं मेरिज लॉन और हॉल संचालकों को पार्किंग और ट्रैफिक मैनेजमेंट की उचित व्यवस्था करना अनिवार्य होगा। कार्यक्रम के दौरान ट्रैफिक जाम मिलने पर संबंधित हॉल या लॉन को तुरंत सील किया जाएगा। आदेश उल्लंघन पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत कार्रवाई होगी। प्रशासन ने नागरिकों से नियमों के पालन की अपील की है।

## चुनाव हारे तो गुस्सा गायकों पर उतारा: आरजेडी ने 32 कलाकारों को भेजा लीगल नोटिस

**पटना:** बिहार विधानसभा चुनाव में करारी शिकस्त झेलने के बाद राष्ट्रीय जनता दल अब अपने ही समर्थकों पर सख्त हो गई है। पार्टी ने उन 32 भोजपुरी गायकों-कलाकारों को कानूनी नोटिस थमा दिया है, जिन्होंने प्रचार के दौरान बिना अनुमति के लालू-तेजस्वी और आरजेडी के नाम से गीत बनाकर सोशल मीडिया पर डाले थे।

पार्टी का साफ कहना है बिना लिखित परमिशन के हमारा नाम, फोटो या चुनाव चिह्न इस्तेमाल करना कानूनी अपराध है। सूत्र बता रहे हैं कि नोटिस में साफ चेतावनी दी गई है अगर 7-15 दिन में संतोषजनक जवाब नहीं आया तो मानहानि और कॉपीराइट उल्लंघन का केस ठोका जाएगा। इन गायकों के यूट्यूब, इंस्टा रील्स और फेसबुक वीडियो में तेजस्वी यादव की तारीफ में गाने थे, लालटेन का जिक्र था झ्र अब यही वीडियो उनके लिए मुसीबत बन गए हैं। अभी तक किसी गायक का नाम सार्वजनिक नहीं किया गया है, लेकिन लिस्ट में कई बड़े और मध्यम स्तर के भोजपुरी स्टार्स शामिल बताए जा रहे हैं। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि आजेडी अब अपनी ब्रांडिंग पर पूरी पकड़ चाहती है। 2025 के बाद होने वाले लोकसभा और स्थानीय चुनावों से पहले पार्टी अनधिकृत कंटेंट को पूरी तरह रोकना चाहती है।

## केटरिंग पॉलिसी में बड़ा बदलाव, रेलवे स्टेशनों पर अब मिलेगा मैकडॉनल्ड्स, केएफसी और पिज्जा हट का स्वाद

**नई दिल्ली:** देशभर के रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को अब मैकडॉनल्ड्स, केएफसी और पिज्जा हट जैसे बड़े फूड ब्रांड्स का खाना आसानी से उपलब्ध हो सकेगा। यात्री सुविधा बढ़ाने की दिशा में रेलवे बोर्ड ने अपनी केटरिंग पॉलिसी में महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए पहली बार प्रीमियम ब्रांड आउटलेट्स को स्टेशनों पर संचालन की अनुमति देने का निर्णय लिया है।

जल्द ही इन आउटलेट्स को खोलने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी, जिससे यात्रियों को सफर के दौरान बेहतर और अधिक विविध फूड विकल्प मिल सकेंगे। पहले, 2017 की रेलवे केटरिंग पॉलिसी के तहत स्टेशनों पर टी स्टॉल, मिल्क बार और जूस बार की तीन कैटेगरी में स्टॉल आवंटित किए जाते थे, जहां केवल ड्रिंक्स, हल्का नाश्ता और सीमित स्नैक्स मिलते थे। अब इस पॉलिसी में संशोधन करके प्रीमियम ब्रांड आउटलेट्स की नई कैटेगरी जोड़ी जा रही है। इन आउटलेट्स को 5 साल की अवधि के लिए ई-ऑक्शन के माध्यम से आवंटित किया जाएगा। फिलहाल आईआरसीटीसी ई-केटरिंग के जरिए ट्रेन में बैठे यात्रियों तक पॉपुलर ब्रांड्स का खाना सीट पर पहुंचाता है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद यही सुविधा अब रेलवे स्टेशनों पर भी उपलब्ध होगी। अधिकारियों के अनुसार, इन बदलावों से स्टेशनों पर बेहतर क्वालिटी, अधिक विश्वसनीयता, और ब्रांडेड फूड की गैरंटी सुनिश्चित होगी। यात्रियों को स्थानीय स्टॉल्स के अलावा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स में से चुनने का विकल्प भी मिलेगा।

# अमेरिका का वीजा नहीं मिलने पर डॉक्टर ने की खुदकुशी

फ्लैट में लाश मिली; सुसाइड नोट में लिखा- तनाव में हूं

**हैदराबाद :** हैदराबाद में रहने वाली 38 वर्षीय डॉक्टर रोहिणी ने अमेरिका का वीजा न मिलने से उत्पन्न तनाव के चलते आत्महत्या कर ली। उनका शव पदमा नगर स्थित फ्लैट से बरामद हुआ। पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उन्होंने वीजा रिजेक्ट होने के कारण मानसिक दबाव बढ़ने की बात लिखी है।

चिलकलगुडा थाना पुलिस के अनुसार, घटना 21 नवंबर की रात की है। प्रारंभिक जांच में संभावना जताई गई है कि रोहिणी ने या तो नींद की गोलियों का अधिक सेवन किया या किसी प्रकार का इंजेक्शन लिया। मौत के सही कारणों का पता पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से चलेगा। पुलिस अन्य पहलुओं से भी मामले की जांच कर रही है। रोहिणी मूल रूप से आंध्र प्रदेश के गुंटूर की रहने वाली थीं और हैदराबाद में किराए के फ्लैट में अकेली रहती थीं। 22 नवंबर की सुबह उनकी घरेलू सहायिका फ्लैट पर पहुंची। कई बार दरवाजा खटखटाने और कॉल करने के बावजूद जब अंदर से कोई जवाब नहीं मिला, तो उसने रोहिणी के परिजनों को इसकी सूचना दी। इसके बाद परिवार का एक सदस्य फ्लैट पहुंचा और दरवाजा तोड़कर अंदर गया, जहां रोहिणी मृत अवस्था में मिलीं। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

# पेशावर में पाकिस्तान पैरा मिलिट्री हेडक्वार्टर पर आत्मघाती हमला, 6 सुरक्षाकर्मियों सहित 10 मरे

**पेशावर/एजेंसी:** रिपोर्ट्स के मुताबिक, सोमवार सुबह पेशावर में फ्रंटियर कांस्टेबुलरी (एफसी) हेडक्वार्टर पर हुए एक जानलेवा सुसाइड अटैक में कम से कम तीन सिक्योरिटी वाले मारे गए और दो घायल हो गए। एक सुसाइड बॉम्बर ने फैसिलिटी के मेन गेट पर धमाका किया, जिसके बाद तीन टेररिस्ट भी मारे गए। सिक्योरिटी फोर्स ने तुरंत बाकी हमलावरों से मुकाबला किया, जिससे वे बिल्डिंग में घुस नहीं पाए।

बंदूकधारियों, सुसाइड बॉम्बर्स ने सुबह मिलकर किया हमला: अज्ञात बंदूकधारियों और सुसाइड बॉम्बर्स ने सुबह करीब 8 बजे सद्दार इलाके में मौजूद एफसी हेडक्वार्टर पर एक बड़ा मिलकर हमला किया। पेशावर सीसीपीओ मियां सईद ने कहा कि हमला दो जोरदार धमाकों के साथ शुरू हुआ, जिसके बाद तेज गोलीबारी

हुई। धमाके इतने जोरदार थे कि आस-पास की बिल्डिंग्स की खिड़कियां टूट गईं। पुलिस, ऋ्र टीमें और मदद के लिए पहुंचीं, सद्दार रोड को सील कर दिया और गोलीबारी जारी रही।

आईजीकेपी ने कन्फर्म किया, 'सुसाइड बॉम्बर शामिल थे': खैबर पख्तूनख्वा पुलिस के इंस्पेक्टर जनरल जुल्फिकार हमीद ने कन्फर्म किया कि सुसाइड बॉम्बर ने हाई-सिक्योरिटी वाली जगह पर हमला करने की कोशिश में धमाके किए। पूरे शहर में इमरजेंसी रिस्पॉन्स यूनिट्स तैनात की गईं, और इलाके को तुरंत घेर लिया गया।

लोगों ने कई धमाके और भारी फायरिंग सुनने की बात कही, ऑनलाइन वीडियो सकुर्लेट हो रहे हैं जिनमें सदर इलाके में दहशत दिख रही है। पुलिस ने बाद में हमले के दौरान कम से कम दो धमाके होने की कन्फर्म की। क्लियरेशन ऑपरेशन चल रहा है, घायलों को हॉस्पिटल ले जाया गया: घायल सिक्योरिटी वालों को लेडी रीडिंग हॉस्पिटल (एलआरएच) में शिफ्ट किया गया। बड़े पैमाने पर क्लीयरेंस ऑपरेशन चल रहा है, जिसमें अधिकारी और खतरों के लिए इलाके की जांच कर रहे हैं। ऋ्र हेडक्वार्टर के आसपास की सड़कें सील हैं। आईजी, जिसे पहले फ्रंटियर कांस्टेबुलरी के नाम से जाना जाता था, जुलाई में इसका नाम बदलने से पहले, एक मिलिट्री कैंटोनमेंट के पास घनी आबादी वाले इलाके में काम करता है – जिससे यह मिलिटेंट एलिमेंट्स के लिए एक सेंसिटिव टारगेट बन जाता है। यह हमला पाकिस्तान में मिलिटेंसी की बढ़ती लहर को दिखाता है। पेशावर हमला ऐसे समय में हुआ है जब पूरे पाकिस्तान में मिलिटेंसी हिंसा तेजी से बढ़ रही है – खासकर खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में। अकेले इस सालः मिलिटेंसी हमलों में 430 से ज्यादा लोग मारे गए हैं, जिनमें ज्यादातर सिक्योरिटी वाले थे। बलूचिस्तान में इंसर्जेंसी से जुड़ी हिंसा की वजह से 782 मौतें हुई हैं। बड़ी घटनाओं में क्वेटा ऋ्र हेडक्वार्टर कार बम, 3 सितंबर की पॉलिटिकल रैली में सुसाइड ब्लास्ट और मार्च में बीएलए ट्रेन हाईजैकिंग शामिल हैं। सिक्योरिटी एजेंसियां ??हाई अलर्ट पर हैं: अधिकारी सीसीटीवी फुटेज को एनालाइज कर रहे हैं और ग्राउंड टीमों से और अपडेट का इंतजार कर रहे हैं। यह हमला पाकिस्तान के सिक्योरिटी ठिकानों पर लगातार खतरों और आतंकवाद विरोधी उपायों को बढ़ाने की तुरंत जरूरत को दिखाता है।

न्यूज IN ब्रीफ

## नोडल अधिकारी आयोजित शिविर का करेंगे निरीक्षण : उपायुक्त

बिनय मिश्रा

**देवघर :** उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जिले में आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम अंतर्गत सेवा का अधिकार सप्ताह के चल रहे कार्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान उन्होंने तीन दिनों में सेवा का अधिकार सप्ताह के माध्यम से किए गए शिकायतों के निष्पादन, ऑनलाइन दर्ज किए गए सभी आवेदनों की संख्या एवं परिसंपत्तियों के वितरण आदि कार्यों के वस्तुस्थिति से अवगत हुए। साथ ही 28 नवंबर तक आयोजित होने वाले शिविर में झारखंड राज्य सेवा देने की गारंटी अधिनियम, 2011 में सूचीबद्ध राज्य सरकार के विभिन्न सेवाओं का अधिकाधिक लाभ शिविर में ही आमजनों को समयबद्ध रूप में उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया।

इसके अलावे बैठक के दौरान उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा द्वारा आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम अंतर्गत सेवा का अधिकार सप्ताह के माध्यम से आए हुए सभी आवेदनों की ऑनलाइन इंट्री संबंधित कार्यो को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया, ताकि समस्याओं का समाधान व निष्पादन की गति बेहतर बनी रहे। आगे उन्होंने सभी दस प्रखंड के पंचायतों में रोजाना शिविर लगाये जाने की बात से सभी को अवगत कराया, ताकि देवघर जिले के दस प्रखंडो के सभी पंचायत में आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम अंतर्गत सेवा का अधिकार सप्ताह के माध्यम से शिकायतों के निष्पादन, योजनाओं से नए लाभुकों को लाभांवित करना और परिसंपत्तियों का वितरण किया जा सके। आगे उपायुक्त ने सभी प्रखंडो के प्रखंड विकास पदाधिकारी व अंचलाधिकारी को कड़े शब्दों में निर्देशित किया कि कार्यक्रम का व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार करें, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों की समस्याओं का निराकरण किया जा सके। साथ ही कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी के अलावा शिकायतों का निष्पादन के साथ योग्य लाभुकों को जोड़ते हुए सरकारी योजनाओं के लाभ से आच्छादित भी किया जा सके।

वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने कार्यक्रम के दौरान रोजना आने वाले शिकायतों के निष्पादन और उसके डाटा एंट्री को लेकर सभी प्रखंडो के प्रखण्ड विकास पदाधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि कार्यक्रम के दौरान चिन्हित स्थलों पर दो-दो कम्प्यूटर ऑपरेटर और आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित कर ले, ताकि आने वाले आवेदनों को संबंधित शिकायतकर्ता के सामने ऑनलाइन अपलोड किया जा सके। इसके अलावे उपायुक्त ने जिला स्तर से प्रतिनियुक्त विशेष नोडल अधिकारी को एक्टिव होकर कार्य करने का निर्देश दिया, ताकि राज्य सरकार द्वारा जिले के सभी पात्र व्यक्तियों की समस्याओं का निराकरण करते हुए अहर्ता रखने वाले लाभुकों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुगमता से उपलब्ध कराया जा सके।

इस दौरान उपरोक्त के अलावा उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा, अपर समाहर्ता, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी, जिला गव्य विकास पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी, एडीएसएस, सभी प्रखंडो के प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी, सीएससी मैनेजर एवं संबंधित विभाग के अधिकारी व कर्मी आदि उपस्थित थे।

## सावनियां के हरणी गांव में वज्रपात से ट्रांसफार्मर जला, 6 महीने से बिजली नहीं, ग्रामीणों ने की बैठक



**बंदगांव :** बंदगांव प्रखंड के सावनियाँ पंचायत के हरणी गांव के रतली टोला में बिजली ट्रांसफार्मर के खराब होने तथा नेटवर्क की समस्या को लेकर ग्रामीणों की बैठक ग्राम मुंडा सीनू मुंडा की अध्यक्षता में संपन्न हुई. बैठक में समाजसेवी लाछूराम मुंडरी, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष जदुराय मुंडरी, कांग्रेस युवा मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष रवि मुंडरी, तथा बीस सूत्री सदस्य महेश प्रसाद साहू मुख्य रूप से उपस्थित थे. बैठक में ग्रामीणों ने कहा कि जुलाई महीना में वज्रपात से रतली टोला का ट्रांसफार्मर जल गया था .विभाग को कई बार 25 केवी का ट्रांसफार्मर लगाने के लिए आवेदन भी दी गई थी .मगर 6 महीना बीतने के बाद भी यहां ट्रांसफार्मर नहीं लग पाया है. जिससे ग्रामीणों को काफी परेशानी हो रही है. वहीं यहां बीएसएनल का टावर लगाया गया है .मगर यहां दिन भर में एक या दो घंटा ही नेटवर्क चालू रहता है. बाकी समय में यहां नेटवर्क नहीं मिलने से ग्रामीणों को काफी बातचीत करने या अन्य कार्य करने में काफी परेशानी होती है. वही समाजसेवी लाछूराम मुंडरी ने कहा कि बिजली ट्रांसफार्मर के लिए तथा नेटवर्क समस्या के लिए विभागीय पदाधिकारी को आवेदन भी दी गई है .मगर अब तक यहां इस पर कोई पहल नहीं हुई. उन्होंने कहा ग्रामीणों ने 25 केवी का ट्रांसफार्मर तथा बीएसएनल टावर को दुरुस्त करने का मांग किया था. सारी समस्या सुनने के पश्चात कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष जदुराई मुंडरी ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि बिजली विभाग के एसडीओ को 25 केवी का ट्रांसफार्मर लगाने के लिए का मांग किया जाएगा. साथ ही अनुमंडल पदाधिकारी को बीएसएनल टावर ठीक करने की भी मांग की जाएगी .अगर यह दोनों समस्या का समाधान जल्द नहीं होता है तो यहां के ग्रामीण बिजली विभाग तथा एसडीओ कार्यालय का घेराव करेगी. इस मौके पर केवन मुंडरी, रामू मुंडरी मंगरा मुंडरी, जोसेफ मुंडरी, मानसिंह मुंडरी, प्रभु दयाल मुंडरी, संतोष मुंडरी, प्रेम मुंडरी, गोला मुंडरी, फगुआ मुंडरी, प्रभु मुंडरी, बीरसी मुंडरी, चीनी मुंडरी, सोमा मुंडरी, बुधराम मुंडरी, राहुल मुंडरी समेत काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे.

# देवघर के रिखिया आश्रम में आध्यात्मिक ऊर्जा का वैश्विक संगम, 42 देशों के श्रद्धालुओं ने पाया शांति का मार्ग



संवाददाता

**देवघर :** देश और दुनिया में बाबा बैद्यनाथ धाम के कारण देवघर को पहचान मिली है। लेकिन इसी पावन भूमि पर एक और अध्यात्म की धारा है, रिखिया आश्रम। यह आश्रम सिर्फ एक धार्मिक केंद्र नहीं, बल्कि शारीरिक, मानसिक और सामाजिक उत्थान का जीवंत प्रयोग स्थल बन चुका है। जहां भारत ही नहीं, दुनिया के कोने-कोने से लोग अपनी अध्यात्म खोज पूरी करने पहुंचते हैं।

रिखिया की शांति अद्भुतः विदेशी श्रद्धालु

रिखिया में कदम रखते ही श्रद्धालु उस वातावरण से रूबरू होते हैं, जहां साधना, योग और सेवा एकाकार होकर जीवन को नई दिशा देते हैं। साउथ अफ्रीका से आई एक श्रद्धालु ने यहां पहुंचकर कहा कि रिखिया की शांति अद्भुत है, जबकि बुल्गारिया से पहुंची श्रद्धालु ने रिखिया की दिव्य अनुभूति को जीवन बदल देने वाला बताया।

स्वामी शिवानंद सरस्वती, स्वामी सत्यानंद सरस्वती, स्वामी निरंजनानंद सरस्वती और स्वामी सत्संगानंदा सरस्वती जैसे महान संतों की परंपरा ने इस आश्रम को ह्यमानव सेवाह्ल के वास्तविक रूप में बदल दिया है। यहां सेवा कोई नारा नहीं, बल्कि जमीन पर उतरता हुआ सतत प्रयास है। यहां पर सेवा, प्रेम और दान का संदेश लोगों को दिया जाता है।

रिखिया और आसपास के कई पंचायतों में आश्रम की ओर से नियमित रूप से कपड़े, जूते, अनाज, ठेला-गाड़ी, गाय, बीज व अन्य आवश्यक सामग्रियों का वितरण किया जाता है। गांव के लोग बताते हैं कि साल में तीन से चार बार होने वाले इन दान कार्यों से हजारों परिवारों को आर्थिक और सामाजिक मजबूती मिलती है।

इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए आश्रम की तरफ से छोटे बच्चों को पढ़ाने के लिए आर्थिक मदद दी जाती है। रिखिया आश्रम के द्वारा आसपास के ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को अंग्रेजी और कंप्यूटर की क्लास फ्री में दी जाती है, ताकि बच्चे तकनीकी रूप से मजबूत होकर अपने जीवन को निखार सके।

वहीं आश्रम की प्रशंसा कई देश के गणमान्य लोगों ने भी की है। कई लोगों ने माना है कि इस आश्रम में लोगों को अलौकिक शक्ति की अनुभूति होती है और दान एवं सेवा के प्रति आस्था बढ़ती है। रिखिया आश्रम में आए श्रद्धालुओं ने बताया कि यहां की महिमा अपरंपार है। माता शक्ति की सीधी अनुभूति रिखिया आश्रम में महसूस होती है।

शतचंडी यज्ञ में 42 देश के श्रद्धालु हैं शामिल

इन दिनों आश्रम में चल रहा शतचंडी यज्ञ रिखिया को वैश्विक आध्यात्मिक केंद्र बना रहा है। जानकारी के अनुसार, इस अनुष्ठान में करीब 42 देशों के श्रद्धालु शामिल हुए हैं। यह नजारा इस बात का प्रतीक है कि रिखिया आश्रम की साधना और सेवा की परंपरा सीमाओं के पार जाकर विश्व के लोगों को जोड़ रही है।

विदेशी श्रद्धालुओं के लिए पुख्ता है सुरक्षा व्यवस्था

विदेश से आ रहे लोगों की सुरक्षा को लेकर रिखिया आश्रम के लोग 24 घंटे चौकन्ने रहते हैं। आश्रम के अंदर किसी भी तरह का वीडियो या फिर फोटो खींचने की अनुमति नहीं होती है। इसके अलावा विदेशियों के आगमन को देखते हुए पुलिस क्षेत्र में पेट्रोलिंग करती रहती है। देवघर का यह रिखिया आश्रम आज एक ऐसी मिसाल है, जो बताता है कि अध्यात्म सिर्फ पूजा नहीं, बल्कि सेवा है। वह सेवा जो समाज को जोड़ती है और दुनिया को एक परिवार की तरह अनुभूति कराती है।

### लाभुक के शिकायत पर पहुंचे कांग्रेस नेता दिलीप तिर्की

## ग्रामीणों की समस्याओं से डीसी को कराया अवगत



संवाददाता

**सिमड़ेगा :** गरजा पंचायत के सीटू तिर्रा गांव में लाभुक के शिकायत पर आदिवासी कांग्रेस नेता दिलीप तिर्की पहुँचे भुक्तभोगी से मिलने उनके घर। पीड़िता दोमनिका लकड़ा ने बताया कि वर्ष 2019-20 में मेरे नाम से आवास योजना संख्या- 2515558 प्रधानमंत्री ग्राम आवास योजना मुझे मिला था, लेकिन मुझे आजतक आवास नही मिला। कई बार पता करने पर जवाब भी नही मिला और मेरे योजना को वर्त्तमान मुखिया बसंती डुंगडुंग के पति उज्वल डुंगडुंग ने बनाया है शायद ऐसा कहा गया। लेकिन इस संदर्भ में पता कर दिलीप तिर्की ने बताया कि जब ढटअ ॠ संख्या 2515558 का पूर्ण विवरण निकाला गया तो यह योजना का भुगतान उज्वल डुंगडुंग के नाम से है। किंतु विचित्र बात यह है कि आज भी पंचायत भवन के दीवार पर लाभुकों के जिनके नाम से आवास पूर्ण हो चुका है, उसमे दोमनिका लकड़ा का नाम लिखा हुआ है। और यह सिर्फ इसलिए क्योकि कोई भी जनप्रतिनिधि स्वयं वह लाभ नही ले सकते लेकिन वर्त्तमान मुखिया जो उस वक़्त पंचयात समिति थीं, जिन्होंने पद का दुरुपयोग कर यह लाभ लिया है। साथ ही कई अनियमितता के शिकायत पर दिलीप ने पाया कि कम गरजा चौक में पेवर ब्लॉक कम दूरी में लगा कर ज्यादा पैसे निकासी किए हैं। वही तिर्रा सीटूटोली में जलमीनार मरामती हुआ जिसमें लाभुक बाहर का है, जबकि लाभुक उसी ग्राम का होना चाहिए साथ वहां लगा शिलापट में लाभुक के नाम को लिखा ही नही गया है। ताकि यह सब अनियमितता का पता न चल सके। दिलीप ने इन सब बातों को लिखित रूप से उपायुक्त महोदया को दिया है, कि उक्त मुखिया और उसके पति पर जांचकर ऐसे लोगों को कानूनी कार्यवाही कर ॠफ़कर जेल भेजा जाय ताकि जिले में कोई जनप्रतिनिधि ऐसा हिमाकत न करे और ग्रामीणों को उनका हक मिल सके। इसपर उपायुक्त ने कहा कि पूर्ण जांच कर इसपर जरूर कार्यवाही होगी जो भी दोषी होंगे।

## यूपी और बिहार का गैंग पलामू में कर रहा डकैती और चोरी, ग्रामीणों के चंगुल में आया डकैत

संवाददाता

**पलामूः** उत्तर प्रदेश और बिहार का गैंग पलामू के इलाके में चोरी एवं डकैती की घटनाओं को अंजाम दे रहा है। पुलिस को पूरे गिरोह के बारे में जानकारी मिल गई है। दरअसल रविवार की रात पलामू के पाटन थाना क्षेत्र के सखुई गांव में छड़ सीमेंट की दुकान में डकैतों की एक टीम घुसी थी। इसकी भनक दुकान के मालिक धीरेंद्र प्रसाद को मिल गई। धीरेंद्र प्रसाद एवं ग्रामीणों के शोर मचाने के बाद बड़ी संख्या में लोग जमा हुए और मौके से एक डकैत को पकड़ लिया।

यूपी के वाराणसी का रहने वाला है डकैत

इस दौरान स्थानीय ग्रामीणों ने डकैत की जमकर पिटाई भी की और पूरे मामले की जानकारी पुलिस को दी। घटना की जानकारी मिलने के बाद पाटन थाना प्रभारी शशि शेखर पांडेय के नेतृत्व में पुलिस मौके पर पहुंची और सुनील यादव नामक डकैत को जख्मी हालत में हिरासत में लिया। डकैत को इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पीटल में भर्ती करवाया गया है। गिरफ्तार डकैत उत्तर प्रदेश के वाराणसी का रहने वाला है। वो अपने अन्य साथियों के साथ डकैती की घटना को अंजाम देने वाला था।

गिरफ्तार डकैत के पास से मिला हथियार

एसडीपीओ मणिभूषण प्रसाद ने बताया कि गिरफ्तार डकैत के पास से हथियार भी बरामद हुआ है और उसने अपने साथियों के नाम भी बताए हैं। एसडीपीओ ने बताया कि डकैत के साथ गिरोह में उत्तर प्रदेश एवं बिहार के गया के रहने वाले अपराधी शामिल हैं। एसडीपीओ मणिभूषण प्रसाद ने बताया कि गिरोह के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है और सभी को पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है। आशंका है कि गिरोह ने पलामू के इलाके में कई घटनाओं को अंजाम दिया है।

## आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार के तहत शिविर का आयोजन



संवाददाता

**सिमडेगा :** आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार के तहत झारखंड राज्य सेवा देने की गारंटी अधिनियम 2011 के तहत जिले में 21 नवंबर से 28 नवंबर 2025 तक ह्लसेवा का अधिकार सप्ताह आयोजित किया जा रहा है।

इसी क्रम ठेठईटांगर प्रखंड के दुमकी एवं कोरोमियां पंचायत तथा, बानो प्रखंड के बानो एवं पबुड़ा पंचायत में विशेष शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों को विभिन्न सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया गया। शिविर में उपलब्ध सेवाओं में जन्म प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, स्थानीय निवासी, जाति एवं आय प्रमाण पत्र, नया राशन कार्ड, भूमि मापी, भूमि धारण प्रमाण पत्र तथा दाखिल-खारिज से जुड़े मामलों का त्वरित निष्पादन किया गया। इसके साथ ही विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन तथा दिव्यांग पेंशन से संबंधित आवेदन भी प्राप्त किए गए।

दुमकीपंचायत के नीलम देवी को आपदा राहत के तहत 4 लाख का चेक जीप सदस्य अजय एक्का और अंचलाधिकारी कमलेश उरांव के द्वारा दी गई। शिविर में उपस्थित अधिकारियों द्वारा ऑन-दि-स्पॉट आवेदनों का सत्यापन एवं निष्पादन करते हुए लाभुकों के बीच प्रमाण पत्र एवं परिसंपत्तियों का वितरण किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर सरकारी सेवाओं का लाभ प्राप्त किया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सरकारी सेवाओं को समयबद्ध तरीके से आम जनता तक पहुंचाना तथा ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ सरल एवं पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से उपलब्ध कराना है। ह्लसेवा का अधिकार सप्ताहह्व के आयोजन से ग्रामीणों में जागरूकता और उत्साह देखा जा रहा है।

शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए थे, जहाँ ग्रामीणों को योजनाओं से संबंधित जानकारी भी उपलब्ध कराई गई।

मौके पर नोडल पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी सहित प्रखंड स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

## बिहार सरकार के उद्योग मंत्री ने बाबा बासुकीनाथ मंदिर में की पूजा

### कहा- दूर करेंगे पलायन की समस्या



**दुमका :** बिहार सरकार के उद्योग मंत्री दिलीप जायसवाल फौजदारी दरबार बाबा बासुकीनाथ धाम पहुंचे और विधि-विधान से भोलेनाथ की पूजा अर्चना की। इस दौरान उनके साथ उनकी पत्नी एवं अन्य पारिवारिक सदस्य और स्थानीय भाजपा कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। भोलेनाथ की पूजा करने के बाद उद्योग मंत्री ने जनकल्याण के लिए महादेव पार्वती की मंगल आरती भी की। मंत्री के आगमन के दौरान मंदिर परिसर में स्थानीय पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

पलायन रोकने का प्रयास करेंगे

उन्होंने बताया कि बाबा बासुकीनाथ की कृपा से हम लोगों को जनता ने पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने का मौका दिया है, नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार सरकार राज्य वासियों के लिए विकासात्मक योजनाएं लागू कर रही हैं। राज्य के विकास के लिए सरकार पूरी तरह से तत्पर है। उन्होंने बताया कि उद्योग एवं अन्य विभागों में रोजगार उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है ताकि राज्य से होने वाले पलायन को रोका जा सके।

उद्योग मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि हमने भोलेनाथ से अर्जी लगाई है कि औद्योगिक क्षेत्र में हम इतना काम करें कि राज्य में ही रोजगार के अवसर प्राप्त हो और यहां से मजदूरों का पलायन रोका जा सके। मंत्री ने कहा कि बिहार के विकास के लिए ही जनता ने हम लोगों को इतनी प्रचंड बहुमत से सरकार बनाने का मौका दिया है।

## जमशेदपुर को-ऑपरेटिव लॉ कॉलेज के नये भवन का शिलान्यास

जमशेदपुरः सोमवार को जमशेदपुर को-ऑपरेटिव लॉ कॉलेज के नये भवन के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। इस समारोह में सांसद विद्युत वरण महतो और जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। समारोह में दोनों जनप्रतिनिधियों ने को-ऑपरेटिव लॉ कॉलेज को क्षेत्र का बड़ा शैक्षणिक केंद्र बनाने की उम्मीद जताई। विधायक सरयू राय ने कहा कि वर्ष 2017 में उन्होंने भवन निर्माण का प्रस्ताव पहली बार झारखंड सरकार को दिया था। उन्होंने कहा कि लंबे इंतजार के बाद अब यह सपना साकार हो रहा है और कॉलेज जल्द ही विश्वविद्यालय के दर्जे की ओर बढ़ेगा। नए भवन से यह कॉलेज कोल्हान क्षेत्र के लिए मील का पत्थर साबित होगा। सांसद विद्युत वरण महतो ने कहा कि अब छात्रों को कानून की पढ़ाई के लिए बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। स्थानीय विद्यार्थियों को आधुनिक सुविधाओं व बेहतर माहौल यहीं उपलब्ध होंगे। झारखंड स्टेट बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अनुसार परियोजना की कुल लागत 24 करोड़ 22 लाख 17 हजार 202 रुपये है और निर्माण कार्य 21 माह में पूरा होगा। वास्तुकार चड्ढा एंड एसोसिएट्स, रांची हैं, जबकि निर्माण की जिम्मेदारी एमएसआरएस अग्रवाल, रांची को दी गई है।